दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

गुरुवार 18 सितंबर 2025

सूर्योदय प्रात: 06:08 बजे

सूर्यास्त सांय 18:23 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 देश में अति आत्मविश्वासी मोदी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 334 | गाजियाबाद, गुरुवार 18 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

सरकारी ईमेल प्रबंधन निजी कंपनी सौंपना गलत: माकपा सांसद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। माकपा सांसद जॉन ब्रिटास ने बुधवार को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को पत्र लिखकर केंद्र द्वारा अपनी आधिकारिक ईमेल सेवाओं और प्रमाणीकरण का प्रबंधन एक निजी समूह को सौंपने के फैसले पर चिंता जताई। ब्रिटास ने कहा है कि यह संसदीय संचार की स्वतंत्रता, गोपनीयता और निष्पक्षता के बारे में चिंताएं पैदा करता है। उन्होंने दावा किया कि 50 लाख सरकारी ईमेल इनबॉक्स का प्रबंधन निजी कंपनी द्वारा किया जाएगा। माकपा नेता ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ऐसे समय में जब साइबर सुरक्षा और डाटा चोरी की रोकथाम महत्वपूर्ण है, सांसदों और सरकारी अधिकारियों की आधिकारिक ईमेल प्रणाली एक निजी संस्था को सौंपी जा रही है। इससे राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एनआईसी) की भूमिका गौण हो गई है।

आरक्षण की मांगों के बीच पवार का एकता पर जोर

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि अगर हर समुदाय हैदराबाद गजट के आधार पर अपनी मांगें (आरक्षण) रखेगा, तो समुदायों के बीच एकता कायम करना मुश्किल होगा। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने राज्य सरकार द्वारा दो अलग-अलग समितियां (एक मराठों और दूसरी ओबीसी के लिए) बनाने के फैसले पर सवाल उठाया। कहा कि सामाजिक एकता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए और इसके लिए अगर कोई राजनीतिक कीमत चुकानी पड़े, तो चुकानी चाहिए। विभिन्न जाति समूहों ने तर्क दिया है कि मराठा समुदाय के सदस्यों को ओबीसी कुनबी जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने की अनुमति देने के लिए हैदराबाद गजट के कार्यान्वयन से एससी, एसटी और ओबीसी पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ेगा। महाराष्ट्र सरकार ने इस महीने की शुरुआत में ओबीसी के कल्याणकारी उपायों में तेजी लाने और आरक्षण से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए नौ सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति का गठन किया था। सरकार की इस कवायद का विभिन्न ओबीसी नेता और संगठन विरोध कर रहे हैं।

नौसेना को जलसिंह, जलदूत और नव्या रोबोट मिलेंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। ओडिशा स्थित स्टार्टअप कोराटिया टेक्नोलॉजीज ने नौसेना के साथ 66 करोड़ रुपये के करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत स्टार्टअप देश में विकसित किए गए अंडरवाटर रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स (यूडब्ल्यूआरओवीएस) का निर्माण करेगा। करार के तहत नौसेना को जलसिंह, जलदूत और नव्या नामक रोबोट की आपूर्ति की जाएगी। कोराटिया के सह-संस्थापक और सीईओ देबेंद्र प्रधान ने कहा, ये रोबोट सोनार आधारित मैपिंग और एआई एवं एमएल पावर्ड रियल-टाइम डाटा एनालिटिक्स की सुविधा देंगे। इनका उपयोग रक्षा और नागरिक दोनों क्षेत्रों में किया जा सकेगा। यह न केवल हमारी मिशन-क्रिटिकल अंडरवाटर सिस्टम डिजाइन और निर्माण क्षमता की पहचान है, बल्कि नौसेना की भारत के शोध और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की निरंतर कोशिश का प्रतीक भी है।

गौरांगलाल दास होंगे दक्षिण कोरिया में भारत के नए राजदूत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। वरिष्ठ राजनयिक गौरांगलाल दास को बुधवार को दक्षिण कोरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया। 1999 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी दास वर्तमान में नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में पूर्वी एशिया प्रभाग का कार्यभार संभाल रहे हैं। अपने वर्तमान पद पर रहते हुए दास ने भारत और चीन के बीच संबंधों को फिर से सुधारने के लिए हुई बातचीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

निर्माण पर रोक लगाने के बजाय विकल्प तलाशे : SC

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा कि सर्दियों के मौसम में प्रदूषण के चलते निर्माण कार्यों पर पूरी तरह से प्रतिबंध (ग्रैप उपाय) लगाने के बजाय दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की समस्या के वैकल्पिक समाधानों निकालने पर विचार करे। शीर्ष अदालत ने कहा कि निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगाए जाने से दिहाड़ी मजदूरों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने सीएक्यूएम को आदेश दिया कि वह सर्दियों के मौसम में निर्माण कार्यों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के बजाए, संभावित विकल्प तलाशे। इसके लिए सभी संबंधित हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर योजना तैयार करें और तीन सप्ताह में अपनी रिपोर्ट दाखिल करें।

पीठ ने कहा कि इस तरह का प्रतिबंधात्मक आदेश प्रतिकूल परिणाम देने वाला है क्योंकि कई मजदूरों को मुआवजा नहीं मिल रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि निर्माण कार्य रोकने के अन्य परिणाम भी हैं, देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले मजदूर इस अवधि के दौरान बिना काम के रहते हैं। जहां तक उक्त मजदूरों को दिए जाने वाले मुआवजे का सवाल है, इस अदालत में कई आवेदन दायर किए गए हैं, जिनमें आरोप लगाया गया कि मुआवजा ठीक से नहीं दिया गया।

सीएक्यूएम ने लगाया था प्रतिबंध पिछले कुछ सालों में, सीएक्यूएम ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली एनसीआर में अपने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) उपायों के एक भाग के रूप में सर्दियों के मौसम में निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसी साल फरवरी में, सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि एनसीआर राज्यों को गतिविधियों के बंद होने से प्रभावित निर्माण श्रमिकों को मुआवजा देना चाहिए।

तीन महीने में खाली पदों को भरने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/समितियों में खाली पदों को भरने का निर्देश दिय है। पीठ ने संबंधित राज्य सरकारों को आने वाले दिनों में सर्दियों के मौसम की शुरुआत को ध्यान में रखते हुए अगले तीन महीनों में रिक्तियों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर या अनुबंध के आधार पर भरने को कहा है। शीर्ष कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पदोन्नति वाले पदों को भरने के लिए पूरी प्रक्रिया 6 माह के भीतर की जाएगी। यहां इतने पद अभी भी खाली पीठ ने कहा कि हरियाणा के मुख्य सचिव द्वारा दायर हलफनामों के अनुसार, 173 पद खाली थे, अब रिक्तियों को घटाकर 43 पद कर दिया गया है।

पंजाब में 600 से अधिक पदों में से पहले 300 रिक्तियां थीं जो अब घटकर 40 हो गई है। उत्तर प्रदेश में कुल स्वीकृत पदों की संख्या 732 है, जिनमें से 566 भरे जा चुके हैं और 166 पद खाली हैं। राजस्थान में 808 में से 250 पद रिक्त हैं। केंद्र की ओर से पेश एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने यह भी बताया कि सीपीसीबी के अंतर्गत 603 पदों में से 147 पद रिक्त हैं। सीएक्यूएम में कुल 56 पद हैं, जिनमें से 38 भरे हुए हैं, 18 रिक्त हैं और इन 18 रिक्तियों के विरुद्ध 11 संविदा कर्मचारी तैनात हैं।

कांग्रेस कार्य समिति की 24 को पटना में बैठक, विधानसभा चुनाव और 'वोट चोरी' पर होगी चर्चा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक आगामी 24 सितंबर को पटना में होगी, जिसमें पार्टी का शीर्ष नेतृत्व आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर चर्चा के साथ ही 'वोट चोरी' के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी को घेरने के अभियान को तेज करने पर मंत्रणा कर सकता है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कार्य समिति कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई है।

यह विश्तारित कार्य समिति की बैठक होगी, जिसमें स्थायी आमंत्रित सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य, पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, पार्टी की राज्य इकाइयों के अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता भी भाग लेंगे।

बैठक में बिहार, पार्टी की चुनाव प्रचार से जुड़ी रणनीति, भविष्य के चुनावों और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित रहने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि कार्य समिति की बैठक 24 सितंबर को सुबह 10 बजे होगी। बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित पार्टी के सभी शीर्ष नेता मौजूद रहेंगे। यह बैठक महागठबंधन के सहयोगियों में सीट बंटवारे पर बातचीत के बीच और कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद हो रही है।

मुर्मु, राजनाथ, शाह, नड्डा, योगी, नीतीश सहित विभिन्न नेताओं ने दी मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित विभिन्न नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म की 75वीं वर्षगाठ पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

श्रीमती मुर्मु ने बुधवार अपने संदेश में कहा, 'भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण प्रश्तुत करते हुए अपने असाधारण नेतृत्व से आपने देश में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने की संस्कृति का संचार किया है।

आज विश्व समुदाय भी आपके मार्गदर्शन में अपना विश्वास प्रकट कर रहा है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि आप सदा स्वस्थ और सानंद रहें तथा अपने अद्वितीय नेतृत्व से राष्ट्र को प्रगति के नए शिखरों पर पहुंचाएं।'

श्री सिंह ने कहा, 'भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। अपने दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्र के प्रति समर्पण और अथक परिश्रम से मोदीजी ने भारत को नई ऊर्जा, नई दिशा दी है। उन्होंने भारत का सामर्थ्य और सम्मान, पूरे विश्व पटल पर बढ़ाया है।'

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपनी अद्भुत नेतृत्व क्षमता, कल्पनाशीलता के साथ-साथ अपनी संवेदनशीलता का भी परिचय दिया है। गरीब कल्याण और लोक कल्याण के प्रति जो उनकी प्रतिबद्धता है, वह अपने आप में एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प के साथ मोदी जी देश को आत्मनिर्भरता, विकास और समृद्धि की दृष्टि से मज़बूती दे रहे हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर ऊर्जा प्राप्त हो ताकि वह भारत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में लगातार सफल सिद्ध हों।

तीन सदी पहले भारत को विकसित बनाने में एमएसएमई इकाइयों ने दिया था अहम योगदान : आदित्यनाथ

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि 300 साल पहले भारत को दुनिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्था बनाने में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) का अहम योगदान था और इसीलिये वर्ष 2017 में सत्ता में आने के अगले साल उनकी सरकार ने 'एक जिला, एक उत्पाद' योजना को लागू किया।

आदित्यनाथ ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर दो दिवसीय 'विश्वकर्मा एक्सपो-2025' का उद्घाटन किया और एमएसएमई क्षेत्र के लिये एक लाख 32 हजार करोड़ रुपये का कर्ज तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 12 हजार हश्तशिल्पकारों और कारीगरों को 'टूलकिट' तथा 111 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किये।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प का जिक्र करते हुए कहा, "बहुत सारे लोगों बहुत सारे लोगों को लगता होगा कि क्या यह संभव है लेकिन मैं कहता हूं, हां यह संभव है।

हम भारतीयों के लिए यह संभव है क्योंकि आज से 300 वर्ष पहले भारत विकसित देश था।

दुनिया की अर्थव्यवस्था में उसका योगदान 25 प्रतिशत से अधिक हुआ करता था। दुनिया की नंबर एक की अर्थव्यवस्था भारत की हुआ करती थी।"

उन्होंने कहा कि उस वक्त भारत को विकसित देश बनाने में सिर्फ कृषि क्षेत्र का ही योगदान नहीं था, बल्कि औद्योगिक व्यवस्था की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने समाजवादी छात्र सभा के नेता अजय यादव की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

✷ एनसीआर टुडे. इलाहाबाद ✷

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कथित फिरौती की मांग को लेकर प्रयागराज के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में दर्ज एक आपराधिक मामले में वांछित समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय यादव उर्फ अजय सम्राट की गिरफ्तारी पर बुधवार को रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला की खंडपीठ ने अजय यादव द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया।

अदालत ने यादव की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार के अधिवक्ता से मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा है। यादव ने अपनी याचिका में दावा किया है कि उन्होंने महाकुंभ मेले के दौरान सरकारी धन के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया था, जिसके प्रतिशोध में यह प्राथमिकी दर्ज की गई है।

संभावना है कि अधिकतर राज्यों में कई मतदाताओं को एसआईआर में कोई दस्तावेज न देना पड़े: अधिकारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि अधिकतर राज्यों में आधे से ज्यादा मतदाताओं को संभवतः कोई दशतावेज देने की जरूरत नहीं पडेगी, क्योंकि उनके नाम उनके राज्यों में हुए पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार मतदाता सूची में शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि ज्यादातर राज्यों में मतदाता सूची का आखिरी विशेष गहन पुनरीक्षण 2002 और 2004 के बीच हुआ था। अगले एसआईआर के लिए इसी साल को उनकी कट-ऑफ तारीख का आधार माना जाएगा। अधिकारियों ने पहले बताया था कि आयोग जल्द ही पूरे भारत में विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करने की तारीख तय करेगा और राज्यों में मतदाता सूची की समीक्षा का काम साल के अंत से पहले शुरू हो सकता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे पिछले एसआईआर के बाद प्रकाशित अपने राज्यों की मतदाता सूची तैयार रखें। कुछ राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची अपनी वेबसाइटों पर डाल रखी है। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची है जब राष्ट्रीय राजधानी में आखिरी गहन पुनरीक्षण हुआ था।

उत्तराखंड में, अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।राज्यों में अंतिम एसआईआर कट-ऑफ तिथि के रूप में काम करेगा, ठीक उसी तरह जैसे बिहार की 2003 की मतदाता सूची का उपयोग आयोग द्वारा गहन पुनरीक्षण के लिए किया जा रहा है।

आयोग द्वारा बिहार चुनाव आयोग को जारी निर्देशों के अनुसार, 2003 के विशेष गहन पुनरीक्षण में सूचीबद्ध 4.96 करोड़ मतदाताओं (कुल मतदाताओं का 60 प्रतिशत) को अपनी जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए कोई भी सहायक दशतावेज प्रश्तुत करने की आवश्यकता नहीं है, सिवाय संशोधन के बाद जारी किए गए मतदाता सूची के प्रासंगिक भाग के। इसमें कहा गया है कि अन्य तीन करोड़ (लगभग 40 प्रतिशत) को अपनी जन्मतिथि या जन्मस्थान स्थापित करने के लिए 12 सूचीबद्ध दश्तावेजों में से कोई एक प्रदान करना होगा।

मतदाता बनने या राज्य के बाहर से स्थानांतरित होने के इच्छुक आवेदकों की एक श्रेणी के लिए एक अतिरिक्त 'घोषणा पत्र' जारी किया गया है।

गोरखपुर नीट अभ्यर्थी की हत्या : मुठभेड़ में एक आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

गोरखपुर जिले के पिपराइच में 20 वर्षीय नीट अभ्यर्थी की हत्या मामले में पुलिस को बुधवार को एक बड़ी सफलता मिली और एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पिपराइच पुलिस और कुशीनगर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में कुशीनगर में मुठभेड़ के बाद रहीम नामक एक पशु तस्कर को गिरफ्तार किया। छोटू और राजू नाम के दो अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, जबकि दो फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर इनाम घोषित किया गया है। यह घटनाक्रम दीपक गुप्ता की मंगलवार तड़के हत्या के एक दिन बाद हुआ। स्थानीय लोगों ने एक आरोपी अजब हुसैन को पकड़ लिया था, जिसका भीड़ के हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

मुठभेड़ के बाद एक आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करण नैयर ने कहा, 'घटना में शामिल सभी लोगों को जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।' इस बीच, उत्तर प्रदेश पुलिस के अपर महानिदेशक (एडीजी) कानून-व्यवस्था अमिताभ यश स्थिति का जायजा लेने और परिवार से मुलाकात करने यहां पहुंचे। एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार देर शाम यहां पहुंचे यश ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, मृतक दीपक गुप्ता के परिजनों से मुलाकात की और कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक विश्तृत रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

बाद में, यश ने सर्किट हाउस में जिला मजिस्ट्रेट और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च-श्तरीय बैठक की और उन्हें दोषियों के खिलाफ 'कड़ी से कड़ी कार्रवाई' करने के निर्देश दिए। इस बीच, पुलिस बल ने प्रभावित इलाके में निवासियों को आश्वश्त करने और शांति बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च किया।

इस हत्या के बाद मऊचापी गांव में आक्रोश फैल गया है, जहां ग्रामीणों की पुलिस के साथ झड़प हुई और मंगलवार को गोरखपुर-पिपराइच मार्ग को जाम कर दिया गया।

आंगनबाड़ी बहनों को स्मार्टफोन और बढ़ा मानदेय: योगी

एनसीआर टुडे. लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश के धार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' (17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025) और आठवें राष्ट्रीय पोषण माह (17 सितंबर से 16 अक्टूबर, 2025) का शुभारंभ किया।

यह अबतक के देश के सबसे बड़े स्वास्थ्य अभियानों में से एक है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर, केजीएमयू में प्रदेशश्तरीय कार्यक्रमों की शुरुआत की। सीएम योगी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन वितरण के साथ ही उनके मानदेय में वृद्धि की जाएगी। इस अभियान के तहत यूपी में 75 जनपदों में व्यापक स्वास्थ्य शिविरों की शुरुआत भी हुई, जिसमें महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को 75 वर्ष के हो गए। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों और नेताओं ने उनके नेतृत्व की सराहना की तथा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस उपलक्ष्य में 15 दिन से ज्यादा समय के लिए ''सेवा पखवाड़ा'' शुरू किया है।

केंद्र और राज्यों की भाजपा शासित सरकारों ने दो अक्टूबर तक देश भर में स्वास्थ्य शिविर लगाने से लेकर स्वच्छता अभियान चलाने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मेलों और बुद्धिजीवियों के समागम तक कई तरह के जन संपर्क, कल्याण, विकास और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

मोदी स्वयं मध्यप्रदेश के धार जा रहे हैं, जहां वह महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर केंद्रित एक राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत करेंगे।

वह जनजातीय आबादी पर केंद्रित एक कार्यक्रम सहित कई अन्य विकास कार्यक्रमों का शुभारंभ करेंगे और लोगों को संबोधित भी करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर बुधवार को बधाई दी और देश में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने की संस्कृति का संचार करने के लिए उनकी प्रशंसा की।

मुर्मू ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा, ''आज विश्व समुदाय भी आपके मार्गदर्शन में अपना विश्वास प्रकट कर रहा है।''

राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण प्रश्तुत करते हुए अपने असाधारण नेतृत्व से आपने देश में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने की संस्कृति का संचार किया है।''

संक्षिप्त समाचार

एथेनॉल मिलाने से खराब हो रहे इंजन? मोदी सरकार ने बताई सच्चाई

आगे का प्लान भी बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिलाए जाने पर जाहिर की जा रही चिंताओं को मोदी सरकार ने खारिज किया है। तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कहना है कि ऐसे दावे गलत हैं कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से माइलेज कम हो रहा है और इंजन पर बुरा असर पड़ता है। लेकिन उन्होंने एक बड़ा संकेत यह भी दिया कि शायद अब एथेनॉल की मात्रा को 20 फीसदी तक ही सीमित रखा जाएगा। इसकी लिमिट बढ़ाने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है। हरदीप पुरी ने कहा कि 2014 में पेट्रोल में एथेनॉल की ब्लेंडिंग 1.4 फीसदी थी, जो फिलहाल 20 फीसदी तक हो गई है। अब मैं कहूंगा कि फुल स्टॉप हो जाना चाहिए। एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी कई बार घिरते दिखे हैं। उन पर सोशल मीडिया पर कई बार बार आरोप लगाए गए कि वह एथेनॉल को इसलिए बढ़ावा दे रहे हैं क्योंकि उनके बेटे यही कारोबार करते हैं। इसके अलावा उनके बेटे निखिल की कंपनी को हुए मुनाफे का भी जिक्र किया गया। इस पर नितिन गडकरी ने सफाई दी थी कि एथेनॉल से किसानों को फायदा हो रहा है। इसके अलावा पर्यावरण के लिहाज से भी यह बेहतर है। नितिन गडकरी ने तंज कसते हुए यहां तक कहा था कि मेरे पास महीने में 200 करोड़ रुपये कमाने वाला दिमाग है।

दिल्ली में ड्रग्स माफिया के खिलाफ पुलिस का बड़ा एक्शन, 12 करोड़ की हेरोइन के साथ 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ एक ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए उत्तरी दिल्ली में 12 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त की है। इस ऑपरेशन में पांच कथित ड्रग तस्करों को भी हथकड़ी पहनाई गई है। पुलिस का यह एक्शन नशे के काले कारोबार पर करारा प्रहार माना जा रहा है।

पुलिस ने कैसे बिछाया जाल?
पुलिस को लंबे समय से दिल्ली के बाहरी उत्तरी इलाकों में ड्रग्स की तस्करी की खबरें मिल रही थीं। इसके बाद एक खुफिया ऑपरेशन शुरू किया गया। कई दिनों की मेहनत और निगरानी के बाद पुलिस ने तस्करों के नेटवर्क को धराशायी कर दिया। इस कार्रवाई में 3.1 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी सड़क पर कीमत करीब 12 करोड़ रुपये आंकी गई है।
पांच शातिर तस्कर पकड़े गए- पुलिस ने इस मामले में पांच ऐसे शातिरों को गिरफ्तार किया, जो नशे के इस काले धंधे में लिप्त थे। इनके पास से न केवल भारी मात्रा में हेरोइन मिली, बल्कि तस्करी के तार दिल्ली से बाहर तक जुड़े होने की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर रही है ताकि इस नेटवर्क के और राज खुल सकें।

छठ महापर्व को मिलेगा यूनेस्को टैग?

भारत ने कई देशों से मांगा सहयोग, राजनयिकों के साथ बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने 'छठ महापर्व' को यूनेस्को की ''मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची'' में शामिल कराने के लिए 2026-27 चक्र में ''बहुराष्ट्रीय नामांकन'' भेजने के वास्ते सूरीनाम, नीदरलैंड और अन्य देशों से सहयोग मांगा है। संस्कृति मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि इस संबंध में सहयोग प्राप्त करने के लिए उसने यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सूरीनाम और नीदरलैंड के वरिष्ठ ''राजनयिक प्रतिनिधियों'' के साथ एक बैठक आयोजित की। सोमवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने की। इसमें संस्कृति मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, संगीत नाटक अकादमी और आईजीएनसीए के अधिकारियों ने भाग लिया।

मंत्रालय ने कहा कि सूर्य देव और 'छठी मैया' को समर्पित यह प्राचीन पर्व भारत के सबसे पुराने त्योहारों में से एक है, जिसे बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। इस त्योहार को प्रवासी भारतीय मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, यूएई तथा नीदरलैंड में भी मनाते हैं।

मंत्रालय के अनुसार, यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में पहले से ही 15 तत्वों को शामिल करके, भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा में अग्रणी देशों में से एक है। योग, कुंभ मेला और कोलकाता का दुर्गापूजा उत्सव इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि 2026-27 चक्र के लिए छठ महापर्व का बहुराष्ट्रीय नामांकन भारत की सांस्कृतिक कूटनीति और जीवंत परंपराओं की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता में एक और बड़ी उपलब्धि है। मंत्रालय ने बताया कि बैठक में शामिल प्रतिनिधियों ने इस पहल का ''स्वागत'' किया, अपने देशों में प्रवासी भारतीय समुदायों के बीच इस पर्व के महत्व को स्वीकार किया और नामांकन के लिए ''सहयोग का आश्वासन'' दिया।

राहुल गांधी को सिरोपा पहनाने पर छिड़ा नया विवाद?

एसजीपीसी पर आई आंच, करेगी जांच

अमृतसर, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पिछले दिनों पंजाब के अमृतसर और गुरदासपुर जिलें में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे थे। इस दौरान अमृतसर के रामदास के गुरुद्वारे में उन्हें सिरोपा पहनाने पर विवाद खड़ा हो गया है। सिरोपा केसरिया रंग के कपड़े का एक पट्टा होता है, जिसे सिख धर्म में सम्मान देने के लिए गले में आगंतुकों को पहनाया जाता है। शिरमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) द्वारा संचालित गुरुद्वारा समाध बाबा बुड्ढा साहिब में ये सिरोपा राहुल को पहनाया गया था। आरोप है कि ऐतिहासिक गुरुद्वारे के गर्भगृह में एक ग्रंथी ने कांग्रेस सांसद को सिरोपा भेंट किया था। एसजीपीसी कार्यकारिणी के आदेश के अनुसार, यह केवल सिख धार्मिक हस्तियों को ही दिया जाना चाहिए क्योंकि यह क्रिया गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष की जाती है। इस घटना के सामने आने के बाद एसजीपीसी की आलोचना हो रही है। राहुल को सिरोपा भेंट करने वाले पल का वीडियो पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इस वीडियो सामने आते ही विवाद शुरू हो गया।

मामले की जांच की जाएगी- इस बीच, एसजीपीसी ने कहा है कि इस मामले की जांच की जाएगी और अगर कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसजीपीसी के प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि वह रामदास इलाके में ऐतिहासिक गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सम्मानित करने के मामले की जांच करेंगे।

राहुल ने गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब में मत्था टेका था- धामी ने कहा कि किसी भी सिख धर्मस्थल के अंदर किसी भी राजनीतिक व्यक्ति को सम्मानित करने पर पूर्ण प्रतिबंध है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यदि एसजीपीसी का कोई भी कर्मचारी राहुल गांधी का सम्मान करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गांधी परिवार को माफ़ी दिलाने की कोशिश

हालांकि, इससे पहले से ही अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपतियों और विदेशी राष्ट्राध्यक्षों सहित विशेष आगंतुकों को सिरोपा भेंट किया जाता रहा है, लेकिन इसके लिए अलग से कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस बीच, एसजीपीसी के सदस्य सुरिंदर सिंह भुलेवाल, मंजीत सिंह और मलकीत सिंह चंगल ने मंगलवार को एक बयान जारी कर राहुल गांधी को सिरोपा भेंट करने के लिए एसजीपीसी की आलोचना की और कहा कि गांधी परिवार को माफ़ी दिलाने के लिए परोक्ष प्रयास किए जा रहे हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने प्रधानमंत्री मोदी को यूं दी जन्मदिन की शुभकामनाएं, होने लगी भाजपा में वापसी की चर्चा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपना 75वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर देश और विदेश से शुभकामनाएं मिल रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बिना समय गंवाए पीएम मोदी को फोन कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। भारत में सत्ता पक्ष से लेकर विपक्षी खेमे से भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं मिलीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने भी इसे मौके पर उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है। विपक्षी नेताओं में बॉलीवुड अभिनेता और तृणमूल

कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा का भी नाम शामिल है। हालांकि, उन्हें इसके लिए ट्रोल का भी सामना करना पड़ा।
शत्रुघ्न सिन्हा ने पीएम मोदी के साथ अपनी पुरानी तस्वीरें पोस्ट करते हुए एक्स पर लिखा, मेरे सच्चे मित्र और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। भगवान आपको अपार खुशियां, शांति, आनंद, उत्तम स्वास्थ्य और लंबी आयु प्रदान करें। एक दूसरे पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'एक बार दोस्त बने तो हमेशा दोस्त रहते हैं।'

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का बड़ा ऐलान, कहा-

छोड़ देंगे हथियार, शांतिवार्ता में हम शिरकत करेंगे

शांतिवार्ता की पेशकश का पर्चा जारी

रायपुर, एजेंसी। सरकार के एक्शन और सुरक्षा बलों के ऑपरेशन से घबराए छत्तीसगढ़ में सक्रिय माओवादी संगठन हथियार छोड़ने को तैयार हो गए हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सली संगठन ने शांति वार्ता की इच्छा जताते हुए हथियार छोड़ने की बात कही है। संगठन के प्रवक्ता अभय का एक लेटर वायरल हुआ है, जिसमें वीडियो कॉल के जरिए बातचीत और एक महीने का वक्त मांगा गया है। नक्सलियों ने पत्र जारी कर शांति वार्ता को आगे बढ़ाने हथियार छोड़ने की बात कही है। यह भी कहा है कि जरूरत पड़ने पर समस्याओं को लेकर वे जन आंदोलन करते रहेंगे। नक्सलियों ने एक बार फिर शांतिवार्ता की पेशकश करते हुए एक माह के सीज-फायर का प्रस्ताव केंद्र व राज्य सरकार के सामने रखा है। केंद्रीय समिति प्रवक्ता अभय ने शांतिवार्ता की पेशकश का पर्चा जारी किया है। पत्र में वार्ता के लिए ई-मेल एड्रेस भी जारी किया गया है।

प्रेसनोट में लिखा है कि मार्च-2025 से हमारी पार्टी सरकार के साथ शांति वाली के लिए गंभीर और ईमानदारी के साथ प्रयास कर रही है। इससे पूर्व हमारी पार्टी के केंद्रीय कमेटी प्रवक्ता कामरेड अभय द्वारा 10 मई को बयान जारी किया था, जिसमें हमारी पार्टी के नेतृत्वकारी कामरेडों ने सलाह मशविरा करने एक माह का समय मांगते हुए सरकार के सामने सीज-फायर का प्रस्ताव रखा था, लेकिन केंद्र सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की थी। बावजूद जनवरी-2024 से नक्सल उन्मूलन के लिए सैनिक हमलों को और तेज किए हैं।

फोर्स के एक्शन को तत्काल रोके

नक्सलियों ने जारी लेटर में लिखा है कि हजारों की संख्या में सशस्त्र पुलिस बल की तैनात कर हमले को अंजाम दिया गया। माड़ के मुंडेकोट के पास 21 मई को हुई भीषण हमले में पार्टी के महासचिव बसवराजू सहित केन्द्रीय समिति के स्टाफ और उनके सुरक्षा गार्ड के 28 साथी शहीद हुए। शांति वार्ता की प्रक्रिया को बीच में आधा अधूरा न छोड़कर उनके विचारों के अनुरूप शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए हमने यह निर्णय लिया और उस पर इस प्रेस बयान को जारी कर रहे हैं। नक्सलियों ने पत्र में कहा है कि अलग-अलग राज्यों में काम कर रहे संगठन के सक्रिय सदस्य और जेलों में बंद माओवादियों से चर्चा करने एक माह का समय दिया जाए।

योगी सरकार का बुल्डोजर ऐक्शन ध्वस्त किए गए निर्माण, करोड़ों की सरकारी भूमि हुई कब्जामुक्त

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में योगी सरकार जमीन पर अवैध कब्जों को लेकर सख्त है। प्रदेश में अवैध निर्माणों पर बुल्डोजर ऐक्शन जारी है। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में अवैध कब्जों पर योगी सरकार का बुल्डोजर ऐक्शन हुआ है। नगर निगम लखनऊ ने मंगलवार को अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम गहरू, तहसील सरोजनी नगर में करोड़ों की सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया।

नगर आयुक्त गौरव कुमार और अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में संयुक्त टीम ने बुल्डोजर की मदद से अस्थायी निर्माण ध्वस्त किए और अवैध कब्जे हटवाए।
लखनऊ में अवैध कब्जों को हटाने के लिए नगर निगम अभियान के तहत कार्रवाई कर रही है। मंगलवार को नगर निगम टीम सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने पहुंची। नगर निगम टीम और भारी पुलिस बल के साथ जेसीबी भी थी। नगर निगम का अभियान शुरू हुआ।

शाहिद अफरीदी के बयान से भारत में सियासी दंगल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी की टिप्पणी को लेकर भारत में सियासी दंगल शुरू हो गया है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कांग्रेस सांसद की तारीफ की थी। इसपर भारतीय जनता पार्टी ने निशाना साधा और कहा कि भारत विरोधी लोग राहुल की तारीफ कर रहे हैं। इसपर कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने भी प्रतिक्रिया दी और भाजपा नेता के साथ अफरीदी की फोटो शेयर कर दी।

क्या बोली भाजपा

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, हाफिज सईद के बाद अब शाहिद अफरीदी (आतंकवाद समर्थक और भारत विरोधी) राहुल गांधी की तारीफ कर रहे हैं... हैरानी नहीं है। भारत से नफरत करने वाले हर व्यक्ति को राहुल गांधी और कांग्रेस में एक साथी मिल जाता है। सोरोस से लेकर शाहिद तक... कांग्रेस = इस्लामाबाद नेशनल कांग्रेस...।
पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, कट्टर हिंदू-द्वेषी शाहिद अफरीदी, जो भारत के खिलाफ जहर उगलने और कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाने का सपना देखने का कोई मौका नहीं छोड़ते, अचानक राहुल गांधी की तारीफ करने लगे हैं।
केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा, राहुल गांधी पाकिस्तान के प्रिय रहे हैं। शाहिद अफरीदी और पाकिस्तान के लोग राहुल गांधी को अपना नेता बना सकते हैं।

विपक्ष का पलटवार

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पलटवार करते हुए भाजपा नेता अनुराग ठाकुर के साथ अफरीदी की एक तस्वीर पोस्ट की और कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी को कांग्रेस से सवाल पूछने में शर्म आनी चाहिए, जबकि वह खुद उनसे संबंध रखे हुए है। उन्होंने कहा, आप मीठी बाते करते हैं...आप दोस्ती निभाते हैं और आपसे हमसे सवाल करते हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, यह शाहिद अफरीदी कुछ महीने पहले ही भाजपा सांसदों से मिलजुल रहा था और सभी ने दुबई में गले मिलते हुए और दोस्ती निभाते हुए देखी है। कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने अफरीदी के बयान पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, अब जब उनके दामाद की गेंदों पर भारतीय बल्लेबाज प्रहार कर रहे हैं, तो भारत विरोधी बयान पहले से ज्यादा तेज हो गए हैं।

यूपी-बिहार से लेकर तमिलनाडु तक

भाजपा पर दबाव बढ़ा रहे हैं एनडीए के सहयोगी दल

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मजबूत करने में जुटी भारतीय जनता पार्टी को अपने सहयोगी दलों के दबाव से जूझना पड़ रहा है। बिहार के विधानसभा चुनावों के पहले जहां 'हम' मुखर हो गया है, वहीं उत्तर प्रदेश में निषाद पार्टी, सुभासपा, अपना दल एवं रालोद अपने ढंग से दबाव बढ़ा रहे हैं। तमिलनाडु में भी अन्नाद्रमुक के विभिन्न धड़ों को जोड़ने की भाजपा की कोशिशों का अन्नाद्रमुक की तरफ से विरोध सामने आ रहा है।

चुनाव विधानसभा का हो या लोकसभा का, गठबंधन की राजनीति में सीटों के बंटवारे को लेकर मोल-भाव होता ही है, लेकिन जब नेतृत्व करने वाला दल कमजोर पड़ता है तो छोटे दलों का दबाव बढ़ने लगता है। भाजपा की राजनीति में 2014 के बाद से दस साल से जहां भाजपा सहयोगी दलों पर हावी रही और उसके नेतृत्व वाला गठबंधन उसके अनुसार चला, वहीं 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद स्थितियां बदलने लगी। भाजपा ने तो नतीजों के अनुसार अपने दल से ज्यादा जोर गठबंधन को मजबूत करने पर दिया और संसद के भीतर व बाहर गठबंधन को आगे रखा। हालांकि,

उसके सहयोगी दलों ने इस स्थिति का लाभ उठाने कोशिश करते हुए भाजपा पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी तो खुलकर सामने आ गए हैं। जदयू भी खुद को बड़ा भाई बता रहा है। लोजपा (रामविलास) भी लोकसभा सीटों के अनुपात में सीट मांग रही है। रालोमो की भी अपनी मांग है।

किशोरी ने पंखे से फंदा लगाकर जान दी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम किशोरी ने कमरे में लगे पंखे में रस्सी से फंदा लगा लिया। किशोरी के पिता उसे फंदे से उतारकर पुलिस के साथ अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने जांच के बाद किशोरी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की नाईपुरा कालोनी में साहब सिंह एक मकान में तीसरी मंजिल पर बने कमरे में किराए पर रहते है। पति पत्नी दोनों प्राइवेट नौकरी करते है। पत्नी मंजू ने बताया कि मंगलवार को दोनों प्रतिदिन की भांति नौकरी पर गए थे। घर पर 15 वर्षीय बड़ी पुत्री हेमलता और दो छोटे भाई बहन थे। बेटे ने मंगलवार शाम फोन पर बताया कि बड़ी बहन पंखे से लटकी हुई है। आस पास के लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। घर पहुंचने पर पिता ने पुत्री को पंखे से उतारा और पुलिस की सहायता से उसे संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खोड़ा में गंगाजल के लिए यूपी बॉर्डर बंद करने की चेतावनी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। खोड़ा में पिछले 45 दिनों से पानी की भारी किल्लत को लेकर स्थानीय निवासी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन कर रहे लोगों ने चेतावनी दी कि आगामी रविवार को निवासी यूपी बॉर्डर पर ट्रैफिक रोक कर प्रदर्शन करेंगे। भीम आर्मी संस्थापक सदस्य आफताब अली ने बताया कि अब भीम आर्मी के सदस्य और स्थानीय लोग मिलकर 21 सितंबर को यूपी बॉर्डर बंद कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बतायाकि इस आंदोलन में भीम आर्मी प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर आजाद भी शामिल होंगे।

चोरी की बाइक सहित चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷। थाना शेरकोट पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को चोरी की गई मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया है। मामला 14 सितंबर 2025 का है, जब वादी अमित कुमार पुत्र छोटे सिंह निवासी गंगादासपुर, थाना कोतवाली शहर ने शेरकोट थाने में तहरीर दी थी कि उनकी मोटरसाइकिल हरेवली बाजार से अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई है। इस पर थाना शेरकोट में मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस जांच में अभियुक्त अरुण पुत्र गामा सिंह निवासी खुशहालपुर दीवान सिंह उर्फ लुहार वाली थाना बढ़ापुर का नाम प्रकाश में आया। 16 सितंबर 2025 को पुलिस ने अभियुक्त को चोरी की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल सहित दबोच लिया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गई है।गिरफ्तार अभियुक्त का नाम अरुण है।गिरफ्तार करने वाली टीम मे उपनिरीक्षक अंकित सिंह, सतेन्द्र कुमार,अनुज कुमार शामिल रहे।

मधुमक्खियों के हमले में दो छात्रों सहित दस घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। टपरौला गन्ना क्रय केंद्र के पास मधुमक्खियों के झुंड ने हमला करते हुए दो छात्र सहित दस लोगों को घायल कर दिया। काफी देर तक संपर्क मार्ग पर आवागमन भी बंद हो गया। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त समाचार के अनुसार गाव टपरौला गन्ना क्रय केंद्र के पास मधुमक्खियों के झुंड ने आने जाने वाले राहगीरों पर हमला कर दिया। गांव टपरौला के छात्र प्रिंस राणा, आशु व गांव मलकपुर के सोनू, शबीना, अंकित, गुंजल, हर्षित, यादराम, विकास व शाकिब मधुमक्खियों के हमले से घायल हो गए। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। काफी देर तक संपर्क मार्ग पर आवागमन भी बंद हो गया। रविवार को भी मधुमक्खियों ने हमला करते हुए कई लोगों को घायल कर दिया था।

झालू में ''स्वस्थ नारी – सशक्त परिवार'' अभियान का शुभारम्भ

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर मध्यप्रदेश के धार से वर्चुअल माध्यम द्वारा "स्वस्थ नारी – सशक्त परिवार" एवं 8वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारम्भ किया। नगर झालू स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों ने ऑनलाइन सहभागिता की। इसी अवसर पर सेवा पखवाड़ा के तहत स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन भी हुआ। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र झालू पर चेयरमैन लोकेन्द्र चौधरी ने अभियान का शुभारम्भ किया, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच, रक्तचाप, मधुमेह, टीबी व हीमोग्लोबिन जांच और परामर्श निःशुल्क मिलेगा। कार्यक्रम में डॉ. अनुराग पाल सिंह, सतबीर सिंह, मनोज कुमार, मंजू वर्या व सूरजपाल मौजूद रहे।

मोदी के जन्मदिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र में भाजपायों ने किया फल वितरण एवं लाइव प्रसारण सुना

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस अस्पताल के मरीजों को फल वितरित करके एवं साफ सफाई कर सेवा पखवाड़े के रूप में मनाया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मध्य प्रदेश से लाइव सुना गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सतीश गौतम,क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि, मंडल अध्यक्ष अंजलि बिश्नोई, कार्यक्रम संयोजक रोहित रवि, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष नीरज बिश्नोई,डॉ आशीष अहलावत,पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजीत अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष कुंवर कृष्ण बलदेव सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष सौरभ मित्तल, मंडल महामंत्री पंडित सचिन शर्मा,कयूम राइन,सोहन सैनी, अरुण शर्मा,गर्वित चौधरी,आदि शिव शंकर सक्सेना, डॉक्टर भूपेश चौहान,अतुल भारती, शिव मिगलानी, विकास गुप्ता, अनुज वर्मा नंदलाल, पूर्व चेयरमैन प्रभात चंद्र,सभासद कपिल पवार, डॉ0 मुसते हसन जहूर, ओमप्रकाश सैनी, अनवर कुरैशी पंकज चौहान, अमन नंदा एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो बदमाश मुठभेड़ में ढेर

एसटीएफ की नोएडा यूनिट और दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने संयुक्त कार्रवाई

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

बुधवार को दिल्ली और यूपी पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में दो बदमाश ढ़ेर हो गए। मारे गए बदमाशों पर बॉलीवुड अदाकरा दिशा पाटनी के घर फायरिंग का अरोप था।

मुठभेड़ दिल्ली सीमा के नजदीक जनपद गाजियाबाद के थाना ट्रॉनिका सिटी इलाके में हुई। मुठभड़ को अंजाम देने में एसटीएफ की नोएडा यूनिट और दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दोनों बदमाश मौके पर ही ढ़ेर हो गए। मारे गए।

मारे गए बदमाशों की पहचान रोहतक निवासी रविंद्र और सोनी निवासी अरुण के रूप में हुई है। दोनों कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के गैंग से जुड़े हुए थे। पुलिस ने उनके पास से एक जिगाना पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं।

11 अगश्त की सुबह करीब 4:30 बजे दो बदमाशों ने दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर के बाहर फायरिंग की थी और फरार हो गए थे। इसके अगले दिन तड़के करीब 3:30 बजे जब उनका कुत्ता जोर-जोर से भौंकने लगा, तो पिता रिटायर्ड सीओ जगदीश पाटनी बालकनी में पहुंचे। तभी बाइक सवार दो युवकों ने उन पर भी फायरिंग कर दी। जगदीश पाटनी ने पिलर के पीछे लेटकर अपनी जान बचाई। उनका कहना था कि उनकी दोनों बेटियां सोशल मीडिया पर पब्लिक फिगर हैं—एक ओर दिशा पाटनी बॉलीवुड की बड़ी एक्ट्रेस हैं, वहीं दूसरी बेटी खुशबू पाटनी सेना में मेजर पद से रिटायर होकर घर पर रह रही हैं। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल फैल गया था। कुछ समय पहले दिशा पाटनी को सोशल मीडिया पर धमकियां भी मिली थीं।

मकान की चाहत में महिला से साइबर ठगी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

दनकौर के धनौरी कला गांव की महिला के साथ मकान दिलाने के नाम पर 4 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। महिला ने अज्ञात के खिलाफ साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है।

धनौरी कला गांव निवासी सरिता देवी ने बताया कि उसके पति की कुछ वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है और वह आर्थिक रूप से कमजोर हैं। सोशल मीडिया पर एक मैसेज देखा, जिसमें गरीबों को मकान दिलाने की सहायता का दावा किया गया था।

मैसेज पर दिए गए नंबर पर कॉल करने पर आरोपी ने सरिता को भरोसा दिलाया कि उसे सरकार की योजना के तहत 4 लाख की सहायता राशि मिलेगी, लेकिन इसके लिए पहले 4 हजार रुपये की प्रक्रिया शुल्क जमा करना होगा। आरोपी की बातों में आकर महिला ने अपने चांदी के गहने गिरवी रखकर 4 हजार की व्यवस्था की और बताए गए माध्यम से रुपये भेज दिए।

रकम भेजने के बाद आरोपी 10 हजार रुपये की मांग करने लगा। पीड़िता को ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने कोतवाली की साइबर सेल में जाकर शिकायत दर्ज कराई।

ट्रक ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में मंगलवार रात लाल बाग रोड पर ट्रक ने सामने से आ रहे बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस घायल को संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंची। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की नसबंदी कॉलोनी निवासी 26 वर्षीय युवक आदिल मंगलवार रात करीब नौ बजे घर से बाइक पर करावल नगर दिल्ली जाने के लिए निकला था।

जब वह लाल बाग सब्जी मंडी के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। रोड पर गिरने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को गंभीर हालत में संयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि मृतक माता जैनब और पिता सत्तार का इकलौता पुत्र था।

माता पिता दोनों बीमार रहते है। दोनों करावल नगर दिल्ली स्थित अस्पताल में भर्ती थे। वह अस्पताल से लाने के लिए जा रहा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सीओ लोनी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश में जुटी है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैफिक चेकिंग के दौरान दरोगा गिरा, वीडियो वायरल

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर धामपुर के नगीना चौराहे पर बुधवार को ट्रैफिक पुलिस के एसआई अरविन्द कुमार तिवारी रोजमर्रा की तरह चेकिंग अभियान चला रहे थे।

इस दौरान बिना नंबर वाली एक मिनी मेट्रो ई-रिक्शा को दरोगा जी ने रोकने का प्रयास किया। इस दौरान ई रिक्शा चालक ने ई रिक्शा को धीमी कर लिया। दरोगा ने रिक्शा चालक से रिक्शा को वापस चौराहे की ओर ले चलने के लिए कहा।

रिक्शा चालक में दरोगा जी को चकमा देने के इरादे से रिक्शा को पीछे घूमाने का नाटक कर तेज गति से आगे को बढ़ा दिया। दरोगा जी को रिक्शा चालक की चालाकी पर तेज गुस्सा आ गया और दरोगा जी ने बिना एक पल गवाए रिक्शा को पकड़ने के लिए दौड़ लगा दी।

बताया जाता है कि रिक्शा की स्पीड बढ़ने के कारण दरोगा जी अपना संतुलन को बैठे और धड़ाम से सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से एक रिक्शा दरोगा जी की साइड में आई। तभी दरोगा जी ने एकदम उठकर एक बाइक सवार को हाथ देकर उस पर बैठ ई रिक्शा का पीछा किया।

दरोगा जी को ई रिक्शा पकड़ने के लिए दौड़ते हुए देख लोगों का हजूम लग गया। इसी दौरान किसी ने मोबाइल पर दरोगा तिवारी के रिक्शा के पीछे दोड़ लगाने और सडक पर गिर जाने का वीडियो बना लिया। जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

बताते चलें कि ई रिक्शा चालाक भी संगठन के नाम पर मनमानी का खेल खेल रहे है। वहीं चेकिंग के नाम पर पुलिस भी अपनी करनी में कोई कसर छोड़ने को तैयार नहीं है।

यदि दरोगा जी के गिरने के बाद पीछे से आ रही रिक्शा न रुकती अथवा कोई बड़ा वाहन आ जाता तो बड़ी दुर्घटना भी घट सकती थी। ऐसे में पुलिस को भी पूरी सतर्कता बरतनी चाहिए। यह घटना नगर में चर्चा का विषय बनी है। बताया जाता है कि सड़क पर गिरने से दरोगा जी मामूली रूप से चोटिल हुए हैं।

जनपद को तुम पर नाज़ है नवनीत कौर

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बिजनौर। लेफ्टिनेंट नवनीत कौर सुपुत्री श्रीमती राजविंदर कौर एवं श्री हरदेव सिंह निवासी ग्राम ब्राह्मणवाला पोस्ट हरगनपुर तहसील नगीना जिला बिजनौर ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा आर आर मोरारका स्कूल बूंदगी से वर्ष 2020 में प्राप्त की।

उसके पश्चात उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन चितकारा यूनिवर्सिटी से उत्तीर्ण की। जहां पर वो एन सी सी एयर विंग की कैडेट रही । वहां पर उन्हें अपने चौथे वर्ष में अमेरिका की एक मल्टी नेशनल कम्पनी में 14 लाख वार्षिक वेतन पर छः महीने तक कार्य किया। लेकिन उनके दिल और दिमाग में भारतीय सेना में जाने का ही जुनून था। सेना में जाने के लिए उन्होंने अपना साक्षात्कार पहले ही प्रयास में 17 जून 2024 को उत्तीर्ण किया जिसमें उन्होंने आल इंडिया रैंक 8वी प्राप्त की तत्पश्चात उन्होंने ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी गया।

वह प्रशिक्षण लेकर 06 सितंबर 2025 को भारतीय सेना की सेना की आयुध कोर में लेफ्टिनेंट पद पर प्राप्त किया। उनके दो भाई हैं तथा दादाजी और पिताजी किसान हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माताजी पिताजी तथा विशेषकर अपने दादाजी पूर्व सैनिक बग्गा सिंह जी को दिया जिनकी प्रेरणा से वो सेना में एक अधिकारी के रूप में जाने में सफल हो सकी। जिलाधिकारी ने आमंत्रित कर उन्हें प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाएं की।

इस अवसर पर उनके साथ जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टेन अनिल कुमार गुप्ता के साथ उनके परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल रहे।

भागवत कथा में समुद्र मंथन, वामन एवं नरसिंह अवतार का दिव्य वर्णन

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर के श्रीजी गोपीनाथपुरम में चल रही साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक उत्सव का केंद्र बनी हुई है। प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होकर संध्या तक भक्ति रसधारा बह रही है और नगर सहित आस-पास क्षेत्रों से आ रहे भक्तगण कथा श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव कर रहे हैं।

व्यासपीठ पर विराजमान वृंदावन धाम आश्रम गोरक्षमणि, मथुरा के प्रख्यात कथा व्यास श्री जितेंद्र वशिष्ठ जी महाराज के श्रीमुख से प्रवाहित हो रहे दिव्य वचनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। महाराज श्री ने चौथे दिन समुद्र मंथन, वामन भगवान एवं नरसिंह भगवान के दिव्य प्रसंगों का विश्तारपूर्वक वर्णन किया।

उन्होंने बताया कि देवताओं और असुरों द्वारा किए गए समुद्र मंथन से चौदह रत्न प्रकट हुए। इनमें हलाहल विष को भगवान शिव ने ग्रहण कर नीलकंठ कहलाए। इसी समुद्र मंथन से लक्ष्मी जी, कौश्तुभ मणि, ऐरावत हाथी, कामधेनु, उच्चैःश्रवा अश्व और भगवान धन्वंतरि अमृत कलश सहित प्रकट हुए। यह प्रसंग सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भक्ति भाव में डूब गए।

इसके उपरांत व्यास जी ने वामन भगवान के प्राकट्य की कथा सुनाई। उन्होंने समझाया कि किस प्रकार वामन भगवान ने दैत्यराज बलि से तीन पग भूमि माँगी और अपने विराट स्वरूप में तीन पगों में सम्पूर्ण त्रिलोक को नापकर उसके अहंकार का विनाश किया।

तत्पश्चात नरसिंह अवतार का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान ने भक्त प्रह्लाद की रक्षा हेतु श्तंभ से प्रकट होकर हिरण्यकशिपु का वध किया और संसार को यह संदेश दिया कि भक्ति करने वाले का भगवान हर परिस्थिति में संरक्षण करते हैं।कृष्ण जन्मोत्सव

मथुरा में अत्याचारी राजा कंस के कारागार में देवकी और वसुदेव बंद थे। भविष्यवाणी थी कि उनका आठवाँ पुत्र कंस का अंत करेगा।

भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की रात, चमत्कार हुआ – कारागार की जंजीरें टूट गईं और वसुदेव अपने नवजात पुत्र कृष्ण को लेकर यमुना पार कर गोकुल पहुँचे। नंद और यशोदा के घर गोपियाँ और भक्त हर्षोल्लास से कृष्ण का स्वागत करने लगे। झूला झुलाया गया, माखन-पानी का भोग अर्पित किया गया और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया।

कथा के समापन पर संध्या 6 बजे आरती एवं प्रसाद वितरण हुआ। मुख्य यजमान वीरेंद्र सिंह सह परिवार, सह यजमान अरविंद लंबा रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी ने संध्या आरती का सौभाग्य प्राप्त किया।

इस अवसर पर अभिषेक गर्ग, रोहित अग्रवाल, सर्वेश अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, जितेंद्र चौधरी, धीरेंद्र चौधरी, राजू सैनी, मनोज अग्रवाल, सुनील चौधरी, यशोदा शर्मा, श्रुति अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, तनु अग्रवाल, रीना अग्रवाल, दिया अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्तों ने कथा श्रवण कर अपने पूर्वजों के कल्याण और लोकमंगल की प्रार्थना की।

श्रीजी गोपीनाथपुरम का पूरा परिसर भजन, कीर्तन और "हरि बोल" के उद्घोष से गूंजता रहा और वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो उठा।

भाजपा विधायक कुंवर सुशांत सिंह ने गांव गांव जाकर जन समस्या निस्तारण कार्यक्रम के माध्यम से जनता की समस्याए सुनी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

बढ़ापुर विधानसभा 19 से भाजपा विधायक कुंवर सुशांत सिंह ने अपने क्षेत्र में आपका विधायक आपके द्वार कार्यक्रम रखा। यह कार्यक्रम ग्राम टांडा मई दास,सरफुद्दीन नगर रविदास मंदिर, सजापुर शिव मंदिर, बानो वाला गुरुद्वारा, लखीवाला, रविदास मंदिर, कोटकादर इंटर कॉलेज, चंदन वाला आदि गांव में पहुंचकर, जनता की समस्या सुनी और जनता ने विधायक कुंवर सुशांत का भव्य स्वागत किया।

जनता की पीड़ा सुनने के बाद तत्काल अधिकारियों से समस्या का समाधान कराया। जनता का कहना है कि ऐसे विधायक हमें पहली बार मिले हैं जो घर-घर जाकर जनता की समस्या सुनकर समाधान कर रहे हैं। विधायक कुंवर सुशांत ने मंच को संबोधित करते हुए मोदी जी की नई नई योजनाओं से अपनी जनता को जागरूक किया। उनहोने कहा मैंने अपने क्षेत्र के लिए 80 सड़को का निर्माण कर रहा हूं ।हर धार्मिक स्थल पर एक स्टेट लाइट की व्यवस्था कर रहा हूं।

उन्होंने कहा ग्राम टांडा माई दास रविदास मंदिर को सौंदर्यकरण के लिए एक करोड रुपए स्वीकृत कराये। मैं आपकी आवाज दिल्ली से लेकर के लखनऊ तक पहुंचने का काम कर रहा हूं। आप लोगों ने अपना कीमती वोट देकर के मुझे विधायक बनाया है। मैं हमेशा क्षेत्र में काम करूंगा आपकी मदद करता रहूंगा और अपने शब्दों को विराम दिया।

इस कार्यक्रम से विधायक सुशांत सिंह की क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है ।इस जनसुनवाई मे पार्टी के कार्यकर्ता व क्षेत्र के सम्मानित गण मान्य व्यक्ति मौजूद रहे। जिसमें कुंवर प्रशांत सिंह, विधायक प्रतिनिधि दीपक चौधरी, पूर्व सांसद प्रतिनिधि खुशहाल सिंह, रविंद्र कुमार, कारण डीलर, डॉ योगेश कुमार, डॉ पवन, उदेन कुमार, डॉ सुशील कुमार, सागर चौधरी, राजा प्रधान, सचिन चौधरी, राकेश कुमार पाल, डॉक्टर सरबजीत सिंह, पलविंदर सिंह, टीटू, अनिल शर्मा, दीपक शर्मा, बिट्टू पाल, डॉ संदीप शर्मा, भारत सिंह, रविंदर, मंडल अध्यक्ष रायपुर सहदेव भारद्वाज, मंडल महामंत्री हेमराज चौहान, संदीप वर्मा, अनिल राणा, दुष्यंत सिंह, महावीर सिंह, देशराज सिंह, तेजपाल सिंह, नपेंद्र सिंह, राजीव कुमार, अभिनेंद्र सिंह, दिग्विजय, कुंवर शरद कुमार, सुधीर कुमार, कपिल कुमार रविंद्र कुमार, नितिन कुमार, अनूप कुमार, सोनू सैनी,धर्मेंद्र कुमार, पप्पू सैनी, अरुण सनी, मुनेश कुमार, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झालू में ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान को चेयरमैन ने दिखाई हरी झंडी

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

अध्यक्ष श्री लोकेंद्र चौधरी ने आज "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अंतर्गत सफाई अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने हरी झंडी दिखाकर सफाई कर्मचारियों एवं वाहनों को रवाना किया।

अपने संबोधन में श्री चौधरी ने कहा कि "स्वच्छ भारत का निर्माण तभी संभव है, जब हम सभी कचरे के सही प्रबंधन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएँ।" उन्होंने आमजन से अपील की कि गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में डालने की आदत विकसित करें।

गीला कचरा जैसे सब्जियों के छिलके, बासी खाना, फूल-पत्तियाँ आदि हरे डस्टबिन में और सूखा कचरा जैसे प्लास्टिक, रैपर, गत्ता, टिन आदि नीले डस्टबिन में डाला जाए।

कार्यक्रम में कार्यालय के कर्मचारी अनुज अग्रवाल, अनिल कुमार, घनश्याम सिंह, अरुण कुमार, सुरेंद्र कुमार, सुशांत, नावेद, नसीम, हितेश, रविंदर सहित सफाईकर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सभासद फुरकान अहमद, काशिफ हुसैन, सौरभ गुप्ता आदि ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

अंत में श्री चौधरी ने सभी कर्मचारियों और नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई तथा निरंतर सहयोग देने का आह्वान किया।स्वच्छता अपनाएँ, स्वस्थ समाज बनाएँ।"

कचरे को डस्टबिन में डालें, अपने नगर को स्वच्छ बनाएँ।''

हर नागरिक का है सपना, स्वच्छ और सुंदर हो झालू अपना।''

नैनीताल बैंक से 16 करोड़ की साइबर ठगी में शामिल नाइजीरियन की जमानत अर्जी खारिज

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

सत्र न्यायाधीश की अदालत ने बहुचर्चित साइबर फ्रॉड मामले में आरोपी नाइजीरियन नागरिक यूमेलाकेइ इमेका उर्फ एलेक्स की दूसरी जमानत अर्जी खारिज कर दी।

अदालत ने माना कि मामले के प्रथम दृष्टया साक्ष्य आरोपी की संलिप्तता दर्शाते हैं और अपराध संगठित प्रकृति का है, ऐसे में आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती।

अभियोजन के अनुसार शिकायतकर्ता सुमित कुमार श्रीवाश्तव ने 10 जुलाई 2024 को थाना साइबर क्राइम में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि नैनीताल बैंक व आरबीआई के चैनल को हैक कर लगभग 16.71 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। यह रकम विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर ली गई थी। जांच के दौरान कई सहआरोपियों के बयान और बैंक लेनदेन से आरोपी एलेक्स का नाम सामने आया। आरोपी ने सहआरोपियों के साथ मिलकर फर्जी फर्में खोलकर बैंक खाते किराये पर लिए और नाइजीरियन नेटवर्क के जरिए करोड़ों रुपये ट्रांसफर कराए।

इन खातों में आई राशि का बंटवारा किया गया और आरोपी को कमीशन के रूप में हिस्सा मिला। आरोपी के अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी भारत में 2009 से रजिस्टर्ड कंपनी चला रहा है और उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों से आरोपी की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। यह एक गंभीर संगठित अपराध है और आरोपी को सहआरोपियों की तरह स्वतः जमानत नहीं मिल सकती।

घर में बैठे-बैठे बनाया कैदी, बुजुर्ग से 1.70 करोड़ की ऑनलाइन लूट

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

साइबर जालसाजों ने वाणिज्य विभाग के सेवानिवृत अधिकारी को सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 1.70 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया।

इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेक्टर 62 निवासी एक बुजुर्ग वाणिज्य मंत्रालय से सेवानिवृत हैं। नौ सितंबर को उनके पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉलर ने कहा कि आपसे जुड़े एक मोबाइल नंबर से लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है और उन्हें गाली दी जा रही है। इस पर ओमप्रकाश ने कहा जो नंबर बताया जा रहा है उसका इश्तेमाल उन्होंने कभी नहीं किया। इस पर जालसाजों ने कहा कि इस मामले में आपके खिलाफ मुंबई में मुकदमा दर्ज है। इसकी एक कॉपी भी मोबाइल पर भेजी गई। उनसे पूरे मामले को लेकर क्लीयरेंस सर्टिफिकेट लेने को कहा गया।

कुछ देर में ही जालसाजों ने कथित रूप से मुंबई पुलिस विभाग में कॉल ट्रांसफर कर दिया। यहां एक कथित पुलिस अधिकारी ने बताया कि जेट एयरवेज के सह संस्थापक नरेश गोयल के साथ उनका नाम मनी लांड्रिंग के मामले में सामने आया है। इस पूरे मामले की जांच सीबीआई की टीम कर रही है। इस दौरान बताया गया कि कथित आईपीएस विजय खन्ना इस मामले की जांच करेंगे। कुछ देर के बाद ही कथित विजय खन्ना की वीडियो कॉल पीड़ित के पास आई और उसने कई दश्तावेज भेजे। पत्र में 25 लाख रुपये नरेश गोयल को भेजने का जिक्र था। इसमें जो आधार कार्ड और खाते का इश्तेमाल किया गया वह ओमप्रकाश का ही था। यह भी बताया गया कि इस मामले में शिकायतकर्ता

संपादकीय

दुष्प्रवृत्तियों की रोकथाम पर हो मन की बात

ये आलेख अतिवृष्टि में दिवंगत हुए लोगों को याद करके उनके प्रति श्रद्धांजलि है। प्रकृति तो चलो मानवों पर दया कर सकती है। इसलिए आशा करता हूं कि आने वाली वर्षा ऋतु पहाड़ी प्रांतों के लिए आपदा विहीन होगी। किंतु आधुनिकता की आड़ में राक्षसी होते मनुष्यों की दुष्प्रवृत्तियों पर रोक कैसे लगेगी। आधुनिक वस्तुओं-सेवाओं का प्रयोग, उपयोग व भोगोपभोग मानव हिंसक जानवरों की तरह न करके मानव की तरह करना कब आरंभ करेगा। क्षमा करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सोचता हूं कि आर्थिक-भौतिक-वैज्ञानिक-सामरिक रूप में शीघ्र ही विश्व का सर्वाधिक तृतीय शक्तिशाली देश बनने जा रहा भारत सामाजिक-सांस्कृतिक-प्राकृतिक-व्यक्तिगत-ग्रामीण रूप में कब शीर्ष स्तर की ओर बढ़ना आरंभ करेगा।

आप गत दस-ग्यारह वर्षों से देश को अपने मन की बातें बता रहे हैं, जो विभिन्न स्तरों पर देश की प्रगति के लिए उपयुक्त बातें हैं। किंतु आप सार्वजनिक जीवन, सड़कों, गलियों, घरों, समाज-परिवारों में अव्यवस्थित होकर उपस्थित युवा पीढ़ी को समझाने के लिए भी कृपया कुछ प्रेरणापरक बातें बताएं। जो किशोर, युवा और प्रौढ़ भारतीय सज्जन हैं वे तो संभवतः आपकी प्रेरणादायी बातों की यात्रा के आरंभ होने से पहले ही अपने विभिन्न कार्यकलापों का समुचित ढंग से निर्वाह कर रहे हैं, और दुर्भाग्य से ऐसे सज्जनों की संख्या देश-विदेश में सब देशवासियों में कम है। विशेषकर भारत में किशोरों व युवाओं की अधिसंख्य पीढ़ी घर-बाहर बुरी तरह अमानवीय होकर दुराचरण व दुर्व्यवहार कर रही है। ये पीढ़ी घर पर होती है तो टेलीविजन, कंप्यूटर स्क्रीन और मोबाइल फोनों की स्क्रीन्स पर अधिक समय व्यतीत कर रही है।

इस कारण एक ही घर में रहते हुए भी ये लोग माता-पिता, दादा-दादी व भाई-बहनों से पारिवारिक संबंधों के अनुसार बातचीत व आचार-व्यवहार नहीं कर रहे। इन्होंने घर को केवल अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम बना रखा है। इन्हें कुछ समझाओ तो ये उग्र होकर काटने को दौड़ते हैं। इन्हें सद्गुणों, सात्विक भोजन, प्राकृतिक रहन-सहन, परंपरा-प्रकृति, धर्म-साहित्य के संदर्भ के साथ कोई शिक्षा या सीख दो तो ये विपरीत नाशिक होकर माता-पिता, बड़े-बूढ़ों व अन्य अभिभावकों का घृणित तिरस्कार करने लगते हैं। ऐसी पीढ़ी के साथ माता-पिता तथा अन्य परिवारीजनों का दैनिक जीवन-संघर्ष जीवन के लिए अत्यंत दुःखदायी बना हुआ है। इस पीढ़ी के किशोर व युवा जब अपने परिवार की उपेक्षा, अपमान तथा तिरस्कार करके मोटरसाइकिलों, स्कूटियों तथा कारों में बैठकर सड़कों पर भागते हैं तो मोटर वाहनों की गति, तेज हार्न पर इनका कोई नियंत्रण नहीं होता।

ऐसे लगता है जैसे ये पैदल चलने वाले लोगों को अपनी आधुनिक कुंठा के कारण कुचल कर रख देना चाहते हैं। मुख्य मार्गों, उप-मार्गों के अतिरिक्त आवासीय घरों की छोटी-पतली गलियों में भी इनकी मोटर गाड़ियों की गति कम नहीं होती। इनके वाहनों के कर्कश, कानफोड़ू हॉर्न घरों तक में शोर का तूफान उठाते रहते हैं।

इन्हें इतना ज्ञान नहीं होता कि जब इनकी मोटर गाड़ियों का इंजन ढुगढुग की आवाज के साथ पूरी सड़क, गली, मोहल्ला व शहर को अपने चलने-होने का संकेत दे रहा है, तो फिर इन्हें उस हल्ले के साथ हॉर्न का हल्ला क्यों करना चाहिए। रात में, आधी रात में व सुबह चार बजे भी सड़कों और गलियों में, जब केवल इक्के-दुक्के आवारा कुत्ते ही होते हैं, तब भी ये आते-जाते अपनी गाड़ियों के तीखे-तेज-असहनीय-कानफोड़ू-कर्कश हॉर्न बजाकर चलते हैं। ये इस पीढ़ी पर कैसा मनोरोग चढ़ा हुआ है।

यातायात विभाग भी स्थानीय राजनीति और नेताओं के दबाव में ऐसी पीढ़ी पर यातायात नियमों के उल्लंघन की कोई बड़ी कार्रवाई नहीं करता है। माना जाता है कि ऐसी पीढ़ी को अपना वोट बैंक समझकर नेतागण, यातायात प्राधिकारियों को इन पर कार्रवाई न करने का दबाव बनाते रहते हैं। ये पीढ़ी इतने सार्वजनिक अत्याचार करने तक ही सीमित नहीं है।

ये मदिरापान, धूम्रपान, तंबाकू चर्वण, मादक पदार्थों के सेवन, वेश्यावृत्ति इत्यादि सामाजिक रूप में अवांछनीय कामों में भी लिप्त हैं। ऐसा भी नहीं है कि ये इन कामों को गुप्त ढंग से करते हों और सार्वजनिक जीवन में सज्जनता के साथ रहने का विकल्प ढूढते लोगों के लिए कोई समस्या खड़ी नहीं करते हों। ये इन कामों की आड़ लेकर ही, इनके नशे में पतित होकर ही सार्वजनिक जीवन को अराजक बनाए हुए हैं। देश-दुनिया में जो भी जमे-जुमाए दुर्गण थे, वे तो इन्होंने अपनाए ही अपनाए, साथ ही साथ ये हर नए वैश्विक दुर्गुण को स्वदुष्प्रेरणा से अपना रहे हैं और प्रतिक्षण मानव समाज को प्राकृतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक-पारिवारिक रूप में ध्वश्त करने पर लगे हुए हैं।

प्रधानमंत्री जी आपसे विनम्र विनती है कि आप सबसे पहले सामाजिक बुराइयों के इस आधुनिक रूप को अपने श्तर पर, अपने आग्रह पर, अपने निर्देश पर नियंत्रित करने की दिशा में आगे बढ़ें। उदाहरण के लिए आपके मार्गदर्शन में मोटरगाडियां यानी कि कारें, मोटरसाइकिलें बनाने वाली कंपनियों के लिए ये नियम निर्धारित हो कि वे अपनी-अपनी गाड़ियों के हॉर्न ऐसे बनाएं जो तीखे, असहनीय, कर्कश न होकर कानों के लिए सहज, सुरीले व कम ध्वनि वाले हों। नियम यह भी हो कि कंपनियों द्वारा बनाया गया हॉर्न कहीं भी कभी भी बदला न जा सके।

आप अपने मन की बात कार्यक्रम में किशोरों-युवाओं को गली-मोहल्लों में तेज गति से मोटरगाडि़यां नहीं चलाने का मार्गदर्शन भी दे सकते हैं। आप द्वारा सौ से लेकर पांच सौ या हजार मीटर तक की यात्रा, साइकिल द्वारा अथवा पैदल चलकर करने की, प्रेरणा भी दी जा सकती है। आप युवाओं को टेलीविजन, कंप्यूटर, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल के नियंत्रित व न्यून उपयोग के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उन्हें मदिरा, तंबाकू व मादक पदार्थों के सेवन से बचने की सलाह दे सकते हैं। आप से आशा है कि दिग्भ्रमित युवाओं को इन बुराइयों से बचाएं। ऐसे युवाओं की सार्वजनिक अराजकता से असुरक्षित सज्जनों को शासकीय-प्रशासकीय-सामाजिक उपायों द्वारा सुरक्षा प्रदान करें। युवाओं को खुद भी व्यसनों से बचना होगा, तभी उनका व देश का कल्याण होगा।

देश में अति आत्मविश्वासी मोदी

विष्णु दत्त शर्मा

मनुष्य को अपने मन से अपना उद्धार करना चाहिए, अपने आप को कभी नीचा नहीं गिराना चाहिए, क्योंकि वह स्वयं ही अपना मित्र और स्वयं ही अपना शत्रु है। गीता का यह उपदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन की सच्ची व्याख्या करता है। उनका जीवन संघर्ष, साधना और राष्ट्रसेवा की प्रेरणादायक गाथा है। 17 सितंबर 1950 को गुजरात के छोटे से नगर वडनगर में जन्मे नरेंद्र दामोदरदास मोदी का बचपन संघर्ष और साधना से भरा था। पिता की चाय की दुकान में हाथ बँटाने वाले छोटे नरेंद्र ने कठिनाइयों को अवसर में बदलना सीखा।

उनकी माँ हीराबेन मोदी का त्याग, सादगी और संस्कार उनके जीवन की अमूल्य धरोहर बने। माँ ने ही सिखाया कि ईमानदारी, श्रम और राष्ट्रभक्ति ही जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है। यही शिक्षा आगे चलकर मोदी जी के व्यक्तित्व की रीढ़ बनी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान जब सैनिक ट्रेन से गुजरते थे, तो बालक नरेंद्र उन्हें चाय पिलाते और मन ही मन यह संकल्प लेते कि बड़े होकर देश की सेवा करेंगे। बाल्यावस्था में ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए और राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया।

आपातकाल के दौरान उन्होंने तानाशाही सरकार के खिलाफ पत्रक बाँटे, कार्यकर्ताओं को संगठित किया और बुलंद आवाज़ उठाई। यह उनका पहला बड़ा राष्ट्रीय संघर्ष था, जिसने उनके व्यक्तित्व को और अधिक दृढ़ बनाया। गरीबी और कठिनाइयों से भरे बचपन ने उन्हें जीवन के कठोर पाठ सिखाए। लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी। संघ में बाल स्वयंसेवक से लेकर सक्रिय कार्यकर्ता तक का सफर उनके समर्पण का प्रमाण है।

इन्हीं संघर्षों और साधना ने नरेंद्र मोदी को आज लोकनायक बनाया है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी जी ने देश में विकास का एक नया मॉडल प्रश्तुत किया, जिसने न केवल राज्य बल्कि पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। 2014 में वे भारत के प्रधानमंत्री बने और उसके बाद 2019 तथा 2024 में लगातार प्रचंड जनसमर्थन प्राप्त कर तीसरी बार देश की बागडोर संभाली। लोकतंत्र में यह जनता के विश्वास और नेतृत्व की स्वीकृति का स्पष्ट प्रमाण है। लोकतंत्र में जनादेश केवल मतदान की औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता का विश्वासपत्र होता है। मोदी जी को लगातार तीन बार यह विश्वासपत्र मिला है।

पिछले एक दशक में मोदी सरकार ने गरीबों और वंचितों को केंद्र में रखकर अनेक योजनाएँ लागू कीं। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और किसान सम्मान निधि जैसी पहलें करोड़ों लोगों के जीवन में वाश्तविक बदलाव लाने में मील का पत्थर हैं। तकनीक आधारित पारदर्शिता से सरकारी सहायता अब सीधे लाभार्थियों तक पहुँच रही है। गांव-गांव का आत्मविश्वास बढ़ा है और आमजन पहली बार व्यवस्था के केंद्र में महसूस कर रहा है। गरीबों के जीवन में आए इस बदलाव का असर हर जगह देखा जा सकता है। यह सब मोदी जी की कार्यकुशलता और दूरदर्शिता का प्रमाण तो है ही, ये कार्य उन्हें देश के गरीबों का मसीहा बनाते हैं।

उल्लेखनीय है कि मोदी जी के नेतृत्व में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को कौशल आधारित, आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा दी है। देश में मेडिकल कॉलेजों, आईआईटी, आईआईएम और विश्वविद्यालयों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। आज शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही क्षेत्रों में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और ब्रेन-ड्रेन की प्रवृत्ति कम हुई है।

लोकनायक मोदी जी ने सामाजिक सुधारों में भी कई साहसिक कदम उठाए। मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक की कुप्रथा से मुक्ति मिली। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर

राष्ट्रीय एकता को नई मजबूती दी गई। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण भारत की सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित करता है। द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाना लोकतंत्र में समावेशिता का उदाहरण बना। सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में काशी, केदारनाथ और अयोध्या का कायाकल्प, स्वच्छ भारत मिशन और योग दिवस जैसी पहलें भारत की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर पुनर्स्थापित कर रही हैं। योग दिवस ने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को वैश्विक मान्यता दिलाई।

अंतरराष्ट्रीय श्तर पर भी मोदी युग भारत की नई पहचान का प्रतीक है। कोविड काल में वैक्सीन मैत्री के तहत भारत ने न केवल अपने नागरिकों की रक्षा की, बल्कि अनेक देशों को जीवनरक्षक वैक्सीन पहुँचाकर वैश्विक मानवीय नेतृत्व का उदाहरण प्रश्तुत किया। एयर स्ट्राइक, अभिनंदन की सुरक्षित वापसी, धारा 370 का साहसिक निर्णय, डोकलाम सीमा पर दृढ़ रुख और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता आदि इन घटनाओं ने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अब किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटेगा।

इससे भारतीय सेना और सुरक्षाबलों का मनोबल और भी ऊँचा हुआ तथा जनता का विश्वास और गहरा हुआ। मोदी जी के नेतृत्व में विदेश नीति में भारत अब दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति के रूप में उभरा है। 'लुक ईस्ट' से 'एक्ट ईस्ट' की ओर बढ़ते हुए भारत ने एशिया-प्रशांत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टैरिफ विवादों और वैश्विक व्यापार मंचों पर भारत ने अपने किसानों और उद्योगों के हितों की रक्षा करते हुए आत्मविश्वासी छवि प्रश्तुत की है। हाल ही में आर्थिक सुधारों में जीएसटीसुधार भी सबसे बड़ा कदम रहा। 'वन नेशन, वन टैक्स' ने कर व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाया है। साथ ही स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया ने उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित किया।

मोदी जी का सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का रहा। लंबे समय तक आयात पर निर्भर रहने वाले भारत ने आज तेजस लड़ाकू विमान, आकाश मिसाइल, ब्रह्मोस, अग्नि श्रृंखला और स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत जैसे आयुधों का निर्माण किया है। मेक इन इंडिया डिफेंस पहल से न केवल आत्मनिर्भरता बढ़ी है, बल्कि सेना का आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ है। यह मोदी सरकार की स्पष्ट प्राथमिकता है कि भारत केवल खरीदार नहीं, बल्कि रक्षा तकनीक का निर्माता और निर्यातक भी बने।

इसके साथ ही स्वदेशी का आग्रह मोदी युग की आत्मा है। 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' केवल नारे नहीं, बल्कि जनांदोलन बने। मोबाइल निर्माण से लेकर अंतरिक्ष तक भारत ने स्वदेशी तकनीक से अपनी पहचान बनाई।

छोटे कुटीर उद्योगों से लेकर बड़े स्टार्टअप तक आज आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना साकार कर रहे हैं। लोकतंत्र में लगातार तीन बार जनादेश पाना साधारण उपलब्धि नहीं है। यह दर्शाता है कि जनता प्रधानमंत्री की नीयत और नीति दोनों पर भरोसा करती है। आज भारत को विश्व में बैलेंसिंग पावर नहीं, बल्कि जिम्मेदार और निर्णायक शक्ति के रूप में देखा जाता है।

विश्वकर्मा जयंती के दिन जन्मे नरेंद्र मोदी वाश्तव में नए भारत के विश्वकर्मा हैं। माँ के संस्कार, बचपन का संघर्ष, संघ का अनुशासन, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में प्रशासनिक साधना-इन सबने उन्हें राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का शिल्पी बना दिया है। उन्होंने लोकशक्ति को आत्मविश्वास का नया शिखर दिया है। मोदी का जीवन सिखाता है कि कठिन परिश्रम, अडिग संकल्प और राष्ट्रप्रेम से कोई भी व्यक्ति असाधारण ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है। जब भारत 2047 में स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष मनाएगा, तब नरेंद्र मोदी का योगदान स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगा। वे केवल भारत के प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि नए भारत के शिल्पी और वैश्विक नेतृत्व के प्रतीक हैं।

(लेखक भाजपा मध्यप्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं खजुराहो लोकसभा से सांसद हैं)

मोहन के नेतृत्व में अब कॉटन कैपिटल बनने की राह पर मध्यप्रदेश

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश अपनी समृद्ध कृषि विरासत के लिए जाना जाता है। यहां की उपजाऊ भूमि और विविध जलवायु ने इसे कपास उत्पादन का प्रमुख केंद्र बना दिया है लेकिन अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में राज्य न केवल देश का प्रमुख कपास उत्पादक बनेगा, बल्कि वैश्विक श्तर पर कॉटन कैपिटल के रूप में उभरेगा। यह यात्रा केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि टेक्सटाइल उद्योग, सस्टेनेबल प्रोडक्शन और अंतरराष्ट्रीय निवेश को जोड़कर एक नई आर्थिक क्रांति की पटकथा को तैयार कर रहा है।

देश का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में अब निवेश और रोजगार की दृष्टि से तेजी से उड़ान भर रहा है। धार जिले के बदनावर में धार जिले के भैंसोला गांव में प्रदेश का नया टेक्सटाइल हब स्थापित होने जा रहा है। यह परियोजना न केवल मध्यप्रदेश की आर्थिक तस्वीर को बदलेगी बल्कि लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी खोलेगी।

मध्यप्रदेश पहले से ही भारत का एक प्रमुख कपास उत्पादक राज्य है। राज्य के मालवा-निमाड़ क्षेत्र विशेष रूप से खरगोन, बुरहानपुर, धार और झाबुआ जिलों में कपास की खेती बड़े पैमाने पर होती है। यहां की काली मिट्टी कपास के लिए आदर्श है जो फसल को प्राकृतिक पोषण प्रदान करती है। मध्यप्रदेश के लगभग 18 जिलों में कपास की खेती होती है।

करीब 6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हर साल लगभग 24 लाख टन कपास पैदा होता है। देश का लगभग 40 प्रतिशत कपास मध्यप्रदेश से आता है शायद यही वजह है कि वस्त्र उद्योग के लिए मध्यप्रदेश सबसे मुफीद साबित हुआ है और धार के पीएम मित्रा पार्क की दिशा में एमपी के कदम तेजी से बढे हैं। पीएम मित्रा पार्क इस क्षेत्र के किसानों को उनके उत्पाद के लिए बेहतर मूल्य और स्थायी बाजार उपलब्ध कराएगा। परियोजना के तहत स्थापित होने वाली वस्त्र इकाइयां कटाई, बुनाई, रंगाई, छपाई और परिधान निर्माण जैसी सभी गतिविधियों को एकीकृत करेंगी। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय श्तर पर औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

राज्य में ऑर्गेनिक कॉटन का उत्पादन भी तेजी से बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के जिलों में सबसे ज्यादा कपास उत्पादन होता है। इनमें प्रमुख रूप से इंदौर, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, खरगौन, बड़वानी, खण्डवा और बुरहानपुर शामिल हैं।

पिछले तीन वर्षों में कपास उत्पादन की स्थिति अच्छी रही है। वर्ष 2022-23 में 8.78 लाख मीट्रिक टन, 2023-24 में 6.30 लाख मीट्रिक टन और 2024-25 में 5.60 लाख मीट्रिक टन कपास उत्पादन हुआ। मध्यप्रदेश से वर्ष 2024-25 में 9, 200 करोड़ रुपये से अधिक का टेक्सटाइल निर्यात हुआ है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के अन्य जिलों में भी कपास की अच्छी फसल ली जाती है। देश में ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादन में मध्यप्रदेश अग्रणी है।

यही वजह है कि वस्त्र उद्योग के लिए मध्यप्रदेश सबसे उपयुक्त राज्य साबित हुआ है। इसी पृष्ठभूमि के आधार पर धार को पीएम मित्रा पार्क की स्थापना के लिए चुना गया है। यह न केवल किसानों की आय बढ़ाएगा बल्कि वैश्विक ब्रांड्स के लिए एमपी को ग्लोबल हब बनाएगा। सीएम बनते ही डॉ. मोहन यादव ने निवेश को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं जिससे निवेशकों का भरोसा मध्यप्रदेश की तरफ बढ़ रहा है।

भारत सरकार ने देश के 7 राज्यों में पीएम मित्रा पार्क यानी पीएम मेगा इंडीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपरैल की स्थापना को अंतिम रूप दिया है जिसमें तमिलनाडु के विरुद्धनगर, तेलंगाना के वारंगल, गुजरात के नवसारी, कर्नाटक के कलबुर्गी, उत्तर प्रदेश के लखनऊ, मध्यप्रदेश के धार और महाराष्ट्र के अमरावती में पीएम मित्रा पार्क स्थापित होने जा रहे हैं जिसका उद्देश्य 70 हजार करोड़ रुपए का निवेश लाना और करीब 20 लाख रोजगार देना है। पीएम मित्रा पार्क प्रधानमंत्री के 5 एफ विजन फार्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन, और फैशन टू फॉरेन पर आधारित है।

करीब 2, 158 एकड़ में विकसित हो रहा यह पार्क विश्व श्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित है। यहां 20 एमएलडी का कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, 10 एमवीए का सौर ऊर्जा संयंत्र, पानी और बिजली की पुख्ता आपूर्ति, आधुनिक सड़कें और 81 प्लग-एंड-प्ले यूनिट्स जैसी व्यवस्थाएँ विकसित की जा रही हैं। श्रमिकों और महिला कर्मचारियों के लिए आवास और सामाजिक सुविधाएं इसे केवल औद्योगिक क्षेत्र नहीं, बल्कि आदर्श औद्योगिक नगर का रूप देती हैं।

धार में स्थापित हो रहे देश के पहले पीएम मित्रा पार्क के शिलान्यास के पहले ही देश की अग्रणी 114 टेक्सटाइल कम्पनियों से 23 हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रश्ताव प्राप्त हो चुके है। इन प्रश्तावों में से 91 कम्पनियों और इकाइकों के आवेदन स्वीकृत किये जाकर 1294 एकड़ से अधिक भूमि आवंटित किये जाने की अनुशंसा की जा चुकी है। देश की जिन अग्रणी टेक्सटाइल कंपनियों को पीएम मित्रा पार्क में भूमि आवंटित की गई है उनके द्वारा बड़े श्तर पर निवेश के प्रश्ताव दिए गये हैं। कॉटन इंडस्ट्री से जुड़े कई दिग्गज उद्योग समूह यहां आकर निवेश की रुचि दिखा चुके हैं। इससे न केवल प्रदेश को औद्योगिक लाभ मिलेगा बल्कि निर्यात को भी नई दिशा मिलेगी।

धार से तैयार वस्त्र और परिधान अब सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंचेंगे और मध्यप्रदेश वैश्विक टेक्सटाइल हब के रूप में अपनी अलग पहचान बनाएगा। धार जिले का भैसोला क्षेत्र जो कपास उत्पादन के लिए जाना जाता है अब इस परियोजना के माध्यम से आर्थिक समृद्धि का नया अध्याय लिखेगा।

इन प्राप्त निवेशों से यार्न, फैब्रिक और गारमेंट उत्पादन की संपूर्ण वैल्यू चेन यहीं विकसित होगी जिससे प्रदेश का टेक्सटाइल उद्योग वैश्विक श्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगा। पीएम मित्रा पार्क में भूमि आवंटन की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है और शेष भूमि भी चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जा रही है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य को कॉटन कैपिटल बनाने का स्पष्ट विजन प्रश्तुत किया है। उनका नेतृत्व किसान-केंद्रित नीतियों और निवेश-अनुकूल माहौल पर आधारित है। इस वर्ष स्पेन की यात्रा के दौरान उन्होंने इंडीटेक्स के अधिकारियों से मुलाकात की और मध्यप्रदेश को ऑर्गेनिक कॉटन का वैश्विक हब बताया। इस मुलाकात में धार जिले में पीएम मित्रा पार्क का भी जिक्र किया। इसी तरह में जापान यात्रा के दौरान उन्होनें यूनिक्लो के संस्थापक तादाशी यानाई से कपास खेती और उद्योग विश्तार पर चर्चा की।

उन्होंने यूनिक्लो को मध्यप्रदेश में उत्पादन और वितरण इकाइयां स्थापित करने का न्योता दिया। यह प्रयास राज्य के टेक्सटाइल निर्यात को बढ़ावा देंगे बल्कि यूरोप जैसे देशों में एमपी को बड़ा बाजार उपलब्ध कराएँगे। मोहन सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीतियां निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। हाल ही में कोलकाता में हुए निवेशक सम्मेलन में भी टेक्सटाइल सेक्टर को प्रमुखता दी गई, जहां 14600 करोड़ के निवेश प्रश्ताव मिले। इसके अलावा राज्य सरकार कॉटन-टू-कार्बन फाइबर जैसे इनोवेटिव क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा दे रही है जो टेक्सटाइल को हाई-टेक बनाएगा।

मोहन सरकार ने पर्यावरण-अनुकूल खनन और ग्रीन एनर्जी जैसी नीतियों के साथ टेक्सटाइल सेक्टर को जोड़ा है। धार में पीएम मित्रा पार्क एनवायरनमेंटल, सोशल, गवर्नेंस के मानकों पर आधारित होगा जो आने वाले दिनों में किसानों को ट्रेनिंग और मार्केट लिंकेज प्रदान कर राज्य आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करेगा। एमपी में पहले से ही ट्राइडेंट ग्रुप, वर्धमान, ग्रासिम, नाहर, रेमंड, प्रतिभा सिन्टेक्स, गोकलदास एक्सपोर्ट, महिमा ग्रुप और सागर ग्रुप जैसे बड़े औद्योगिक समूह है।

इन कंपनियों की उपस्थिति से यार्न, फैब्रिक, गारमेंट और मशीनरी निर्माण की संपूर्ण वैल्यू चेन पहले से मौजूद है जिसे पीएम मित्र पार्क और मजबूत करेगा। पीएम मित्रा पार्क से विशेष रूप से आदिवासी अंचल के लिए लाभकारी होगा साथ ही धार और आसपास के जिलों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन श्तर में सुधार होगा। यह परियोजना स्थानीय युवाओं को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करेगी जिससे क्षेत्र में बेरोजगारी की समस्या में कमी आएगी।

इस पार्क में कपास से धागा, धागे से कपड़े और तैयार कपड़े की बिक्री और निर्यात तक का काम एक ही स्थान से किया जा सकेगा यानी यहां कटाई, बुनाई, प्रोसेसिंग, रंगाई, छपाई और परिधानों के निर्माण जैसे सभी काम होंगे। इस सौगात को मध्यप्रदेश के कपड़ा उद्योग के नए युग की शुरूआत माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी अपने जन्मदिन के अवसर पर मध्यप्रदेश पधार रहे हैं।

प्रदेश में स्थापित होने जा रहे पीएम मित्रा पार्क से टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में निवेश केवल व्यावसायिक विश्तार नहीं, बल्कि सतत विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भागीदारी है। यह पखवाड़ा प्रधानमंत्री के स्वस्थ समाज, सशक्त राष्ट्र के संकल्प को साकार करने का महत्वपूर्ण कदम होगा। प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में प्रदेश न केवल हर संभव योगदान देगा बल्कि विकसित भारत 2047 के मिशन में भी हमारे प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

डॉ.मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश न केवल कपास का उत्पादक बनेगा बल्कि वैश्विक टेक्सटाइल चेन का अभिन्न अंग भी आने वाले दिनों में बनेगा। किसानों की समृद्धि, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश को कॉटन कैपिटल बनने की दिशा में भी अग्रसर करेगी। यह केवल एक आर्थिक बदलाव नहीं, बल्कि मोहन के बनते संवरते मध्यप्रदेश की नई पहचान है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

आबादी ने लिखी बिहार की बर्बादी

अर्जुन देशप्रेमी

बिहार में चुनाव सिर पर हैं। सभी दल मुद्दों को लेकर ताल ठोक रहे हैं। कोई बेरोजगारी की बात कर रहा है तो कोई हिन्दू मुस्लिम की। कोई पलायन की बात कर रहा है तो कोई बिहार के विकास में पिछड़ने की। कोई सरकार के निकम्मेपन की बात कर रहा है तो कोई वंशवादी राजनीति और भ्रष्टाचार की।

पर कोई भी दल उस मूल कारण की बात नहीं कर रहा है जिसने बिहार को बर्बाद किया है और जो आज भी बिहार के पिछड़ेपन का मूल और सबसे बड़ा कारण है। यह एक कारण दूसरे सभी कारणों पर भारी था और है। पर न जाने क्यों इसपर न तो पिछले चुनावों में कभी खुलकर बात की गयी, न ही इस बार ऐसा होता दिख रहा है।

यह कारण है बिहार में जनसँख्या विस्फोट जिसने न तो विकास के लिए जमीन छोड़ी है, न ही प्रति व्यक्ति इतना संसाधन जिससे विकास को गति दी जा सके। इसी के कारण बिहार से बड़ी संख्या में पलायन आरम्भ हुआ जो अनवरत जारी है।

इस समस्या को एक सच्चे और वाश्तविक उदाहरण से समझिये। मैं अपने सिवान जिले में स्थित गाँव की बात कर रहा हूं। बिहार के सिवान जिले के ज्यादातर गांवों और कस्बों, यहाँ तक की शहरों की यही हकीकत है, अपवादों को छोड़कर। मेरे दादा के समय मेरे गाँव के एक व्यक्ति के पास 15 एकड़ जमीन थी।

चूँकि भूमि हदबंदी सीमा के तहत क्लास-1 में इससे ज्यादा जमीन एक परिवार के पास नहीं हो सकती थी। यानि वे अमीर व्यक्ति थे। अच्छी खासी उपज थी। उनके पांच बेटे और दो बेटियां हुईं। 5 बेटों में जमीन बंटी 1970 में। फिर एक परिवार के पास रह गयी 3 एकड़ जमीन। अब उनके फिर 5 बच्चे हुए। ऐसे में 3 एकड़ जमीन से खेती से गुजारा मुश्किल होने लगा।

ऐसे में उनके 2 बेटे पलायन करके हरियाणा के रेवाड़ी और राजस्थान के भिवाड़ी चले गए जहाँ वे प्राइवेट नौकरी करने लगे। परिवार बढ़ा तो फिर 1990 में बंटवारे में एक के पास जमीन रह गयी 0।6 एकड़ (लगभग 2500 वग मीटर)। अब फिर औसतन हर लड़के के 3 बेटे हुए (लड़कियों की संख्या मैंने जानबूझकर नहीं जोड़ी है क्योंकि वे हिस्सा नहीं ले रही हैं)।

ऐसे में 2500 वर्गमीटर की जमीन 3 हिस्सों में बंटी और एक के खाते में 2018 में आयी 800 वर्ग मीटर। मेड़ों में चली गई जमीन को घटाने के बाद इनमें इन्होंने घर बनाये तो खेती या कारखाने या फैक्ट्री या व्यावसाय के लिए बची 400 वर्गमीटर जमीन। अब विचार कीजिये क्या इतनी सी जमीन में खेती संभव है जिससे एक परिवार का भरण पोषण हो सके। अगर ये तबेले भी खोलें तो पशुओं के लिए चारा कहाँ से लायेंगे? सो लगभग इन सभी के बच्चों को पलायन करना पड़ा है जो 1970 से ही आरम्भ हो गया था।

अब इनकी जमीनें या तो बंजर पड़ी हैं या जिनके पास जमीन नहीं है, वे बंटाई पर ले रखे हैं। अगर गौर से देखें तो 1960 तक जहाँ एक परिवार के पास 15 एकड़ (लगभग 61,000 वर्गमीटर जमीन थी, अब वह रह गयी मात्र 800 वर्गमीटर)। अब जरा उनकी कल्पना कीजिये जिनके पास तब 2 से 3 एकड़ जमीन रही होगी। उनके वर्तमान परिवारों के हाल क्या होंगे।

एक और समस्या है। जिनके पास थोड़ी बहुत जमीन है भी, वे 20 से 30 स्थानों पर हैं। कोई टुकड़ा 100 मीटर का है तो कोई 200 का तो कोई 500 मीटर का। ऐसे में कैसे आधुनिक खेती संभव है। और आधुनिक खेती संभव नहीं तो उपज कैसे बढ़ेगी, कमर्शियल खेती कैसे होगी। ऐसे में परिवार को पालने के लिए दूसरे राज्यों में पलायन नहीं होगा तो फिर क्या होगा?

बर्बाद बिहार के जनसँख्या विस्फोट का हाल यह है कि जहाँ देश की आबादी 1951 से लेकर अबतक 4 गुना बढ़ी है, वहीं बिहार की आबादी 7 गुना से भी ज्यादा। 1951 में बिहार की आबादी जहाँ 2 करोड़ थी (झारखण्ड की तत्कालीन जनसँख्या घटाने के बाद), वहीँ आज बिहार की आबादी आज 14 करोड़ से ज्यादा है।

इसमें उन लोगों के बड़ी संख्या शामिल नहीं है जो पिछले कई दशकों से बिहार में नहीं हैं, पलायन करके दूसरे राज्यों में चले गए हैं और अब उनकी गिनती बिहार की आबादी में नहीं होती है। इनमें मेरा परिवार भी शामिल है। एक सच्चाई यह भी है की बिहार में एकमुश्त 10 एकड़ की जमीन आप कोई प्रोजेक्ट लगाने के लिए खरीदना चाहें तो बड़ी मुश्किल से मिलेगी क्योंकि बिहार के बड़े हिस्से में न तो चकबंदी हुई है, न ही इसपर कोई ध्यान दे रहा है। ऐसे में बड़ी परियोजनाओं की गुंजाईश, जिसमे एक साथ हज़ारों लोगों को काम मिल सके, मुश्किल काम है।

बिहार में आबादी की समस्या पहले भी थी और आज भी है। जहाँ दिल्ली, तमिलनाडु, महाराष्ट्र में कुल प्रजनन दर 1।4 है, वहीं बिहार में आज भी यह 3.0 है जो उनकी तुलना में दोगुनी से भी ज्यादा है। देश में बच्चे पैदा करने के मामले यानि प्रजनन दर में बिहार टॉप पर है। यानि बिहार में जनसँख्या विस्फोट अभी भी चालू आहे। देश की औसत प्रजनन दर 1.9 है।

बिहार की बात करें तो वहां मुस्लिम आवादी और भी तेजी से बढी है। बिहार के कई जिलों में मुस्लिम प्रजनन दर बहुत अधिक है, जो 4.0 से भी ऊपर है। ये वही जिले हैं जो बांग्लादेश सीमा से सटे हैं और जहाँ घुसपैठ की बड़ी समस्या है। ये जिले हैं, किशनगंज, पूर्णिया, अररिया और कटिहार।

1990-91 की कृषि जनगणना के अनुसार, बिहार में औसत ज़मीन का आकार 2.32 एकड़ था। आज के हिसाब से यह 1.5 से भी कम है। मुस्लिम परिवार के पास ज़मीन का औसत आकार तो इससे भी कम है। ग्रामीण बिहार में मुश्किल से 8.2 प्रतिशत मुस्लिम परिवारों के पास 1.5 एकड़ से ज़्यादा ज़मीन है। वाश्तविकता में सर्वाधिक पलायन भी इन्होंने ही किया है। बिहार मुस्लिम आबादी के मामले में देश में तीसरे स्थान पर है। ऐसे में जमीन है, नहीं, बिहार में खनिज है नहीं, उद्योग है नहीं, रोजगार है नहीं, तो फिर पलायन रूकेगा कैसे, बिहार विकसित होगा कैसे? अगर चीन की तरह एक बच्चे की नीति बिहार में अगले 50 साल के लिए लागू कर दिया जाये, तभी बिहार की आबादी कम होगी जिसका भार बिहार सहन कर पायेगा और विकास की राह पकड़ पायेगा।

पर इस तरफ किसी भी दल का लोई ध्यान नहीं है। बिहार के दल इसपर सोचते नहीं और राष्ट्रीय दलों को तो बिहार से सश्ते मजदूर ही चाहिए जो तभी मिलेंगे जब वहां गरीबी बनी रहे, विकास न हो। ऐसे में बिहार के भविष्य का तो भगवान ही मालिक है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

नुमाइश में लगेगा आतिशबाजी बाजार :व्यापार मण्डल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने प्रदर्शनी गेस्ट हाउस में आतिशबाजी बाजार से सम्बंधित बैठक में जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा की अगुवाई में भाग लिया तथा आतिशबाजी व्यापारियों की समस्याओं से सम्बंधित एक ज्ञापन भी अपर जिलाधिकारी नगर अमित भट्ट को सौंपा।

प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा ने कहा कि आतिशवाजी लाइसेंस हेतु आवेदन की प्रक्रिया कल से ही शुरू कर दी जाए जिससे सभी दुकानदार समय से पूर्व लाइसेंस बनवाकर आतिशवाजी खरीद सकें।

आतिशवाजी बाजार लगने से पूर्व ही प्रदर्शनी की पक्की दुकानों में रूकी हुई पी.ए.सी. को अन्य स्थान पर स्थान्तरित कराई जावे। आतिशवाजी बाजार में सफाई कर्मियों की उपयुक्त व्यवस्था समय से करा दी जाये। जो काफी देरी से शुरू होती है काफी कूड़ा एकत्रित होने से दुर्घटना घटने की संभावना बनी रहती है। आतिशवाजी बाजार के पास चांट रेहड़ी ,खोमचे व तमंचे के फड़ इत्यादि के लगा देते हैं जिससे दुकानदारों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है एवं कोई दुर्घटना घटने का भय बना रहता है। लाइसेंस बनवाने के लिए पुलिस विभाग की एन ओ सी लम्बी प्रकिया के तहत काफी लेट हो जाती है जिससे व्यापारी का आर्थिक व शारीरिक शोषण होता है इसलिए एन ओ सी का कार्य दशती करवाना ही उचित रहेगा। अपर जिलाधिकारी नगर श्री अमित भट्ट ने लगभग सभी मांगों को पूर्ण कराने का आश्वासन दिया।

बैठक व ज्ञापन देने वालों में महानगर अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह,युवा जिलाध्यक्ष सन्तोष वार्ष्णेय, युवा जिला महामंत्री उमेश गौड़, मंडल महामंत्री यश कुमार वावा, प्रणय शर्मा,मो सादाव, युवा महानगर अध्यक्ष कमल गुप्ता वावा, मो. जाकिर भाई, असलम जमील, कालू सरदार, देवेंद्र वांवी, तरुण सोलंकी, सचिन सागर, टिंकू वरौला, सुमित गुप्ता आदि थे।

काशीराम कॉलोनी जीटी रोड से हटवाया अतिक्रमण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

नगरीय क्षेत्र में सड़क फुटपाथ नाले नालियों से अतिक्रमण हटाने जलनिकासी व यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाने की दृष्टिगत नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की पहल पर शुरू किए गए अतिक्रमण अभियान के अंतर्गत नगर निगम ने वार्ड 40 में स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि की शिकायत का संज्ञान लेते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह के नेतत्व मे काशीराम आवास सारसौल के मुख्य मार्ग से अतिक्रमण को हटाने का अभियान चलाया गया। अतिक्रमणकर्ताओ से जुर्माना वसूला और दोबारा अतिक्रमण करने वालों को चिह्नित करते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। नगर आयुक्त ने कहा नगर निगम द्वारा लगातार मुनादी और प्रतिष्ठित समाचार पत्रों के माध्यम से स्वयं अतिक्रमण हटाने की अपील की जा रही है परंतु शहर के मुख्य बाजारों से अभी भी लोग सड़क फुटपाथ नाले और नालियों के ऊपर अतिक्रमण किए हुए हैं जिसके कारण यातायात व्यवस्था बाधित होती है और जल निकासी प्रभावित होती है- यातायात के प्रभावित होने से आम नागरिकों को जाम की स्थिति का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा अगले 72 घंटे में सभी मुख्य मार्गो से अतिक्रमण को चिन्हित करने के लिए वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराई जा रही है और ऐसे अतिक्रमण कर्ताओं के विरुद्ध दंडनीय कार्रवाई की जाएगी।

करीब 5.6 करोड़ के मादक पदार्थों का कराया विनिष्टीकरण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़। पुलिस अधीक्षक अपराध ममता कुरील की अध्यक्षता में मादक पदार्थों के पंजीकृत कुल 138 अभियोगों से सम्बन्धित 1841.547 किग्रा अवैध गांजा, चरस,नशीला पाउडर स्मैक का विनष्टीकरण किया गया। पुलिस उप महानिरीक्षक, अलीगढ़ परिक्षेत्र, अलीगढ़ व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद अलीगढ़ के नेतृत्व व पुलिस अधीक्षक अपराध ममता कुरील की अध्यक्षता में न्यायालय द्वारा निर्गत आदेश के क्रम में उच्च श्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (भ्स्क्क्ब्) व जिला श्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (क्क्ब्) द्वारा जनपद मथुरा के थाना राय क्षेत्रांतर्गत स्थित बायो मेडिकल वेस्ट डिस्पोजल एजेंसी, कार्यालय 55, कृष्णा ऑर्किड, फेस 2, गोवर्धन रोए, मथुरा के इन्सिनेटर द्वारा मादक पदार्थों के कुल 138 अभियोगों से संबंधित कुल 1841.547 किग्रा (अवैध गांजा, चरस,नशीला पाउडर क्प्रंमचंउ /स्मैक) का विनष्टीकरण किया गया । जिसकी अनुमानित कीमत करीब 50561540 करोड़ है।

जनपद के 06 थानों (जीआरपी अलीगढ़, थाना गोण्डा, थाना अतरौली, थाना टप्पल, थाना अकराबाद, थाना बन्नादेवी) पर पंजीकृत कुल 138 अभियोगों से सम्बंधित कुल 1841.547 किग्रा (अवैध गांजा, चरस,नशीला पाउडर क्प्रंमचंउ /स्मैक) का विनष्टीकरण किया गया ।

क्र0सं0 जनपद थाना कुल मालों की संख्या गांजा(कि0ग्रा0) चरस(कि0ग्रा0) स्मैक(कि0ग्रा0) डायजापाम(कि0ग्रा0) कुल योग(कि0ग्रा0) 1 अलीगढ़ जीआरपी अलीगढ़ 27 12 0 0 4.965 16.965, 2 गोण्डा 1 300 0 0 0 300, 3 अतरौली 44 6.830 0.550 0.050 12.102 19.532, 4 टप्पल 16 1212.050 0.200 0.084 3.138 1213.472, 5 अकराबाद 15 281 0.385 0.010 1.030 282.425, 6 बन्नादेवी 35 0 0 0 7.153 7.153, कुल योग 138 1811.88 1.135 0.144 28.388 1841.547 इस दौरान नारकोटिक्स सेल प्रभारी श्री संजीव कुमार सम्बन्धित थानों से उपनिरीक्षक व हेड मोहर्रिर व अन्य मौजूद रहे ।

काशी में द्वादश ज्योतिर्लिंग, 48 शक्तिपीठ पर अनुष्ठान, कटा 75 किलो के लड्डू का केक

वाराणसी। , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर पहली बार द्वादश ज्योतिर्लिंग और 48 शक्तिपीठों पर एक साथ सहस्त्रार्चन और अभिषेक हुआ। काशी विश्वनाथ मंदिर में पहली बार प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर गंगा, गोमती, नर्मदा, त्रिवेणी के साथ ही 21 कूपों के जल से अभिषेक और कमल के फूलों से सहस्त्रार्चन कराया गया। काशी विद्वत परिषद के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय संत समिति की ओर से प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर अनुष्ठान हुए। इसमें एक साथ देश के द्वादश ज्योतिर्लिंग और 48 शक्तिपीठ पर मंगलवार को अनुष्ठान हुए।

काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री की दीर्घायु, अगले 10 साल तक देश का नेतृत्व करने, राष्ट्र को परम वैभव, राष्ट्रीय चेतना के जागरण और विश्वगुरु बनने के संकल्प के साथ अनुष्ठान किया जाएगा। अभिषेक के लिए काशी के सभी 21 कूपों और कुंडों का जल मंगवाया गया है। भागीरथी, संगम, हरिद्वार, नर्मदा और त्र्यंबक से गोमती का जल लेकर संत काशी पहुंच रहे हैं।

विशेष गंगा आरती और देवालयों में पूजन : बुधवार की शाम 5-45 बजे नमो घाट पर विशेष गंगा आरती हुई। दशाश्वमेध घाट पर भी विशेष गंगा आरती हुई। इसके अलावा महानगर के 13 प्रमुख देवालयों महावीर मंदिर अर्दली बाजार, सारंगनाथ मंदिर, शास्त्री घाट हनुमान मंदिर, शैलपुत्री मंदिर पुराना पुल, स्वामीनारायण मंदिर, धर्म संघ, कृतिवासेश्वर मंदिर, मल्लिकार्जुन मंदिर, लोलाकेश्वर महादेव मंदिर, बटुक भैरव मंदिर, रामजानकी मंदिर, चंडिका मंदिर (कैंटोनमेंट) आदि में पूजन और आरती हुई।

पीएम के जन्मदिन पर कटा 75 किलो के लड्डू का केक : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर बुधवार को पीएम के जनसंपर्क कार्यालय में शाम पांच बजे 75 किलो लड्डू का केक काटा गया। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल विरासत और विकास का संगम की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया ।

महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इसके तहत बुधवार को ईएसआईसी हॉस्पिटल पांडेयपुर में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल होंगे। शिवप्रसाद गुप्त अस्पताल, कबीरचौरा में आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि डॉ. नीलकंठ तिवारी होंगे। आईएमए लहुराबीर में आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव होंगे।

मानसिक चिकित्सालय व दीनदयाल हॉस्पिटल में राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल फल वितरित करेंगे। काशी अनाथालय में प्रेम कपूर और वृद्धा आश्रम दुर्गाकुंड में राम गोपाल मोहले और पूर्व एमएलसी अशोक धवन फल वितरित करेंगे। कबीरचौरा अस्पताल में मेयर अशोक कुमार तिवारी और रवि त्रिवेदी के नेतृत्व में वितरण होगा। भदऊ चुंगी स्थित कुष्ठ आश्रम में विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी फल वितरित करेंगे।

डेढ़ साल पहले...बिश्नोई आ जाएगा, गोली मार देगा, युवती को छोड़ भाग गए थे तस्कर

गोरखपुर , एजेंसी। तत्कालीन एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई डेढ़ से दो साल पहले 2023-2024 में कुछ दिन एसएसपी के चार्ज पर थे। गर्मी के वक्त का समय था। इसी दौरान एक दिन रात में उन्हें सूचना मिली कि कुछ पशु तस्करों ने एक लड़की का अपहरण कर लिया है।

सूचना मिलते ही केके बिश्नोई कैंट थाने पहुंचे और फिर पशु तस्करों का पीछा शुरू किया। उस मामले में तस्कर यह कहकर युवती को छोड़कर भाग निकले थे-बिश्नोई आ जाएगा, गोली मार देगा।

पुलिस के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, तत्कालीन प्रभारी एसएसपी केके बिश्नोई जैसे ही कैंट थाने पहुंचे, उन्हें थाने से थोड़ी दूरी पर एक सफेद रंग की पिकअप दिखी। इसमें कुछ युवा सवार थे। पिकअप पर गाड़ी नंबर नहीं था। गाड़ी के करीब पहुंचते ही पिकअप सवार भागने लगे। वे कैंट थाने से छात्रसंघ, गोलघर होते हुए असुरन चौक की तरफ भाग रहे थे।

प्रभारी एसएसपी केके बिश्नोई संग कैंट थाने की तत्कालीन पुलिस टीम पीछा कर रही थी। दूरी लगभग 400 से 500 मीटर की रही होगी। असुरन चौक से पशु तस्करों ने अपनी गाड़ी दाएं मोड़ दी। पुलिस टीम मेडिकल कॉलेज की तरफ बढ़ गई। यहां जरा सी चूक होने से पशु तस्कर दूसरी तरफ मुड़ गए और पुलिस की टीम दूसरी तरफ चली गई थी।

थोड़ी देर बाद दूर तक गाड़ी नहीं दिखने पर वापस असुरन होकर विनोद वन वाले रास्ते पर पुलिस की टीम ने दबिश शुरू कर दी। इस दौरान जंगल के किनारे सिसकती एक अकेली युवती पुलिस टीम को दिखी। टीम ने गाड़ी रोककर जब युवती से पूछताछ की तो पता चला कि पशु तस्कर उसका अपहरण करके ले जा रहे थे।

पूछने पर युवती ने बताया कि पशु तस्कर आपस में बात कर रहे थे कि बिश्नोई आ जाएगा, वह गोली मार देगा। इसके बाद उसे जंगल में छोड़कर चले गए थे। युवती यह पहचान भी नहीं रही थी कि जिससे वह बात कर रही थी, वे कोई और नहीं केके बिश्नोई ही थे।इसके बाद पुलिस की टीम से एक सिपाही ने युवती को बाइक पर बैठाकर उसके घर छोड़ा था। एक से डेढ़ घंटे के भीतर ही ये पूरी कार्रवाई हो गई थी।

शाहपुर क्षेत्र में एके-47 से किया था पुलिस पर हमला: शाहपुर पुलिस और पशु तस्करों के बीच भी अगस्त-सितंबर 2022 में मुठभेड़ हुई थी। एनकाउंटर में शामिल रहे पुलिस सूत्रों की मानें तो इस दौरान पशु तस्करों की तरफ से एके-47 से फायरिंग की गई थी। पुलिस ने भी इसका माकूल जवाब दिया था। यह मुठभेड़ भी पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज है। तस्कर मौके से भाग निकले थे। उस समय थानाध्यक्ष रणधीर मिश्र थे और एसपी सिटी केके बिश्नोई ही थे।

एक पते पर दर्ज मिले 4,271 मतदाता, एक दिन पहले यहां दो मकान नंबरों पर मिले थे 428 वोटर, खुलासा

महोबा , एजेंसी। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के दौरान महोबा के कस्बा जैतपुर में मतदाता सूची में बड़ी गड़बडी सामने आई है। एक ही मकान नंबर पर 4,271 मतदाता दर्ज मिले हैं। मामला सामने आने के बाद बीएलओ की ओर से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है। जांच भी शुरू कर दी गई है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए इस समय राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत जैतपुर में जब बीएलओ अभियान के दौरान डोर-टू-डोर पहुंचे तो वार्ड नंबर तीन से आठ तक एक ही मकान नंबर 803 में 4,271 मतदाता दर्ज पाए गए हैं।

यह मतदाता क्रमांक 2,283 से 6,969 तक दर्ज हैं। तब बीएलओ रश्मि ने एसडीएम कुलपहाड़ को इसकी जानकारी दी। इससे पहले ग्राम पंचायत पनवाड़ी में एक मकान नंबर में 243 तो दूसरे मकान में 185 मतदाता दर्ज मिले थे। मामला संज्ञान में आने के बाद अधिकारियों ने जांच के निर्देश दिए हैं।

सवालों के घेरे में मतदाता सूची, शुद्धता पर उठ रहे प्रश्न : जनपद महोबा में पंचायत चुनाव को लेकर चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के दौरान आए दिन नए-नए खुलासे सामने आ रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से एआई से कराई गई जांच में 1,06,542 संभावित डुप्लीकेट मतदाता सामने आ चुके हैं।

इसका भी सत्यापन का काम चल रहा है। 29 सितंबर तक मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम चलेगा। एक घर में बड़ी-बड़ी संख्या में वोटर मिलने से मतदाता सूची सवालों के घेरे में आ गई है और उसकी शुद्धता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पिछले पुनरीक्षण में बीएलओ ने नहीं दिया ध्यान

वर्तमान में पंचायत चुनाव को लेकर बीएलओ डोर-टू-डोर सर्वे कर रहे हैं। वर्ष 2021 की मतदाता सूची में नाम जोड़ने, मृतकों के नाम हटाने व संशोधन का काम किया जा रहा है। सूची में मकान नंबर एक प्रकार की त्रुटि है। गांव में मकान नंबर अमूमन नहीं होता है।

छह माह में 112 लोग एचआईवी से संक्रमित, चार ने तोड़ा दम, दूसरे प्रांतों से लौटे मजदूर सबसे ज्यादा पीड़ित

अंबेडकरनगर , एजेंसी। अंबेडकरनगर जिले में एचआईवी संक्रमण की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। पिछले छह महीनों में जिले में 112 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में वे लोग शामिल हैं जो दूसरे राज्यों में काम कर वापस लौटे थे। संक्रमण की यह चेन यहीं नहीं रुकी, इन पुरुषों के संपर्क में आने के बाद अब कई महिलाएं भी संक्रमित पाई गई हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, चार महिलाओं में एचआईवी की पुष्टि उनके गर्भवती होने के बाद हुई, जिनमें से एक का प्रसव हो चुका है। राहत की बात यह है कि विभाग की सक्रिय निगरानी के चलते नवजात शिशु संक्रमण से सुरक्षित है।

2005 से अब तक 2,040 लोग संक्रमित: जिले में वर्ष 2005 से संचालित संपूर्ण सुरक्षा केंद्र के आंकड़े बताते हैं कि अब तक 2,040 लोग एचआईवी संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 160 लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस वित्तीय वर्ष में न केवल संक्रमण के मामलों में तेजी आई है, बल्कि मौतों की संख्या भी दोगुनी हो गई है। पिछले वर्ष 12 महीनों में जहां दो मौतें हुई थीं, वहीं इस बार छह माह में ही चार लोग जान गंवा चुके हैं।

संक्रमितों की संख्या में तेज उछाल : विगत वर्ष पूरे 12 महीनों में एचआईवी संक्रमण के 138 नए मामले दर्ज किए गए थे, जबकि इस साल केवल छह महीनों में ही 112 लोग संक्रमित पाए गए हैं। वर्तमान में जिले में 1880 एचआईवी एक्टिव मरीज हैं। इनमें से 1689 मरीज जिला अस्पताल के संपूर्ण सुरक्षा केंद्र से दवाएं प्राप्त कर रहे हैं, जबकि शेष मरीज लखनऊ या आसपास के अन्य जिलों में इलाज करवा रहे हैं।

सरकारी जागरूकता कार्यक्रमों के बावजूद लापरवाही : केंद्र और राज्य सरकार की ओर से एचआईवी संक्रमण को रोकने के लिए लगातार जागरूकता अभियान, मुफ्त जांच, और निःशुल्क दवा वितरण योजनाएं चलाई जा रही हैं, परंतु इसके बावजूद जागरूकता की कमी और असुरक्षित यौन व्यवहार जैसे कारणों से संक्रमण पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।

गैस प्लांट से 524 भरे सिलेंडर लेकर जा रहे ट्रक में आग, एक घंटे तक थमी रही सांस

आग सिलेंडरों तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। यहां तक पुल भी क्षतिग्रस्त हो सकता था

प्रयागराज , एजेंसी। नए यमुना पुल पर मंगलवार की देर रात भारत गैस प्लांट से 524 भरे सिलेंडर लेकर जा रहे ट्रक के केबिन में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। इससे चालक के हाथ पांव फूल गए। वाहन छोड़कर उसने दूर जाकर खुद को सुरक्षित करने का प्रयास किया। वहीं आसपास भी अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके साथ ही लोगों ने भगवान का शुक्रिया अदा किया। हर जुबान पर एक ही शब्द था कि बहुत बड़ा हादसा टल गया।

औद्योगिक क्षेत्र स्थित भारत गैस प्लांट से रिफिल किए गए सिलेंडरों को लेकर अंबेडकर नगर के अकबरपुर जा रहे ट्रक में नैनी नए पुल पर पहले धुंआ उठा और फिर देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं। मेजा थाना क्षेत्र के बेला अहिराना निवासी चालक तेज प्रताप यादव ने बताया कि ट्रक की केबिन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। थोड़ी ही देर में आग ने पूरे केबिन को घेर लिया।

पुल पर हादसा होने के बाद दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। इस दौरान करीब एक घंटे तक लोगों की सांसें मानों थम सी गई। पुलिस ने तत्काल ट्रैफिक रोककर क्षेत्र को खाली कराया। मशक्कत के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। एफएसओ नैनी महंथू चौधरी ने बताया कि आग बुझाने के लिए 5000 लीटर की क्षमता वाले तीन फायर टैंकों का इस्तेमाल किया गया। करीब 40 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि सिलेंडरों तक आग नहीं पहुंची।

स्थानीय लोगों ने बताया कि केबिन से उठती लपटें काफी देर तक दिखाई देतीं रहीं। यदि आग सिलेंडरों तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। यहां तक पुल भी क्षतिग्रस्त हो सकता था। नैनी इंस्पेक्टर बृज किशोर गौतम ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में आने पर देर रात 11.30 बजे के करीब यातायात को बहाल कर दिया गया। एफएसओ ने स्पष्ट किया कि ट्रक में 14 किलो के 512, 5 किलो के 5 और 19 किलो के 7 सिलेंडर थे।

अधिवक्ताओं ने दरोगा और सिपाही को बंधक बनाकर पीटा, वर्दी फाड़ी

वाराणसी, एजेंसी। कचहरी के अधिवक्ताओं ने मंगलवार की दोपहर दो बजे बड़ागांव थाने के दरोगा मिथलेश प्रजापति (37) और कांस्टेबल राणा प्रसाद (27) को डीएम पोर्टिका में बेरहमी से पीटा और उनकी वर्दी फाड़ दी। इसके बाद एसीएम प्रथम कार्यालय में बंधक बनाकर रखा और पिटाई करते रहे। पुलिस ने किसी तरह दरोगा की जान बचाई और अस्पताल में भर्ती कराया। घायल दरोगा का बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। दरोगा के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट लगी है। सिपाही राणा प्रसाद का जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया है। बीच बचाव करने पहुंचे एसीएम के हेड मोहर्रिर को भी पीटा गया है।

घटना की सूचना पाकर जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरि मीणा ने बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों से बात की और चार थानों की पुलिस के साथ ही पीएसी लगाकर कचहरी को खाली कराया।

उधर, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बीएचयू में भर्ती दरोगा की सेहत का हाल जाना। आरोपी

अधिवक्ताओं की पहचान के लिए परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

क्या है पूरा मामला : समाधान दिवस पर शनिवार को बड़ागांव थाने में पुआरी खुर्द निवासी मोहित सिंह मौर्य और प्रेम चंद्र मौर्य के बीच जमीन के विवाद का मामला पहुंचा था। पुलिस अधिकारियों के सामने ही दोनों पक्षों में मारपीट भी हुई थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों का शांतिभंग में चालान कर दिया था। मोहित सिंह मौर्य ने खुद को अधिवक्ता बताया था। मोहित का आरोप था कि दरोगा सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने अपराधी जैसा सलूक किया था। उन्हें लॉकअप में डाल दिया था। इसकी सूचना मिलने के बाद छह अधिवक्ता बड़ागांव थाने पहुंचे थे फिर उसे छोड़ा गया था। इससे मोहित नाराज था।

मंगलवार की दोपहर 2 बजे बड़ागांव थाने के दरोगा मिथलेश प्रजापति और कांस्टेबल राणा प्रसाद एक मामले की केस डायरी के साथ कचहरी पहुंचे और एसीएम प्रथम की कोर्ट में जमा कराने का प्रयास करने लगे।

पहले नाम पूछा, फिर किया हमला : डीएम पोर्टिको के बाहर जुटे अधिवक्ताओं ने दरोगा और कांस्टेबल से नाम, थाना पूछा। जैसे ही पता चला कि दोनों बड़ागांव थाने से आए हैं, वैसे ही अधिवक्ताओं ने हमला बोल दिया। दरोगा मिथलेश और कांस्टेबल की जमकर पिटाई की। साथ ही दरोगा को पकड़ कर एसीएम प्रथम के चेंबर में ले गए और बंधक बना लिया। बीचबचाव करने वाले एसीएम तृतीय के मोहर्रिर को भी अधिवक्ताओं ने नहीं बख्शा और जमकर पीटा।

कचहरी चौकी से चार पुलिसकर्मी पहुंचे, लेकिन मामले को नहीं संभाल सके। इसके बाद सूचना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई। एसीपी कैंट नितिन तनेजा और कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा फोर्स के साथ कचहरी पहुंच गए।

किसी तरह दरोगा मिथलेश को अधिवक्ताओं के चंगुल से छुड़ाया गया। अधिवक्ताओं की पिटाई से दरोगा को गंभीर चोट आई है। उन्हें पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था शिवहरी मीणा ने आसपास के थानों की फोर्स बुलाई और चारों तरफ से कचहरी को घेर लिया गया। सख्ती से कचहरी परिसर को खाली कराया गया।

यूईएफए सीएलः

कार्वाजाल की इस शर्मनाक हरकत के बावजूद मार्सिले के खिलाफ जीता रियल मैड्रिड

मैड्रिड, एजेंसी। मैच में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रियल मैड्रिड ने मार्सिले को 2-1 से हराया।

चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मैच में रियल मैड्रिड के अनुभवी डिफेंडर दानी कार्वाजल को मार्सिले के गोलकीपर गेरोनिमो रूली को सिर से टक्कर मारने के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

कार्वाजाल को मिला रेड कार्ड

मैच के दौरान, मैड्रिड की कॉर्नर किक से पहले कार्वाजल और रूली के बीच बहस हो रही थी। तभी कार्वाजल गोलकीपर के पास गए और उनके चेहरे पर सिर दे मारा। रेफरी ने यह घटना मौके पर नहीं देखी, लेकिन मार्सिले के खिलाड़ियों ने तुरंत आपत्ति दर्ज कराई। वीडियो रिव्यू के बाद, रेफरी ने 72वें मिनट में कार्वाजल को लाल कार्ड दिखाया। उस समय कार्वाजल ने चोटिल ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड की जगह पांचवें मिनट में मैच में प्रवेश किया था। घटना के समय स्कोर 1-1 था।

एम्बाप्पे के दो गोल से मैड्रिड जीता

मैच में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रियल मैड्रिड ने मार्सिले को 2-1 से हराया। मार्सिले की ओर से टिमोथी वीह ने शुरुआती बढ़त दिलाई थी, लेकिन एम्बाप्पे ने 29वें और 81वें मिनट में पेनल्टी गोल कर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ, रियल मैड्रिड 15 बार के चैंपियन के रूप में 1990 के दशक में प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने के बाद 200 जीत तक पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। एमबाप्पे ने अब 64 मैचों में 50 गोल कर लिए हैं।

चाईना मास्टर्सः

सात्विक और चिराग चाइना मास्टर्स के अंतिम 16 में, लक्ष्य हारकर टूर्नामेंट से बाहर

शेनजेन, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग ओपन फाइनल में हारने वाले लक्ष्य टोमा जूनियर पोपोव से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 10-21 से हार गए। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई, जबकि लक्ष्य सेन पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। पिछले सप्ताह हॉन्गकॉन्ग ओपन में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग ने मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 42 मिनट में 24-22, 21-13 से हराया।

वहीं, हॉन्गकॉन्ग ओपन फाइनल में हारने वाले लक्ष्य टोमा जूनियर पोपोव से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 10-21 से हार गए। इसके साथ ही पुरूष एकल वर्ग में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई चूंकि आयुष शेट्टी पहले ही दौर में हार गए थे। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी मिश्रित युगल में दूसरी वरीयता प्राप्त चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से 19-21, 13-21 से हार गई। महिला एकल में पी वी सिंधू प्री क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी।

वाह बधाइयां!

वरुण चक्रवर्ती बने आईसीसी टी-20 रैंकिंग में नंबर वन

दुबई, एजेंसी। भारतीय टीम जहां एशिया कप 2025 में सीना ताने आगे बढ़ रही है और यूएई के बाद पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर किया तो दूसरी ओर, उसके मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को रिटर्न गिफ्ट मिल गया है।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर का मजाक उड़ाने वाले फहीम अशरफ का शिकार बनने वाला भारतीय गेंदबाज आईसीसी रैंकिंग में नंबर वन गेंदबाज बन गया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के जैकब डफी को पीछे छोड़ा है। लिस्ट में टॉप-10 गेंदबाजों में भारत के रवि बिश्नोई भी हैं, जो 8वें नंबर पर हैं। लेटेस्ट रैंकिंग के अनुसार, कोलकाता नाइटराइडर्स के गेंदबाज के पास 733 रेटिंग पॉइंट है और वह पहली बार नंबर वन गेंदबाज बने हैं। दूसरे नंबर पर काबिज जैकब डफी के 717 रेटिंग पॉइंट हैं। वेस्टइंडीज के तीसरे नंबर वन अकील हुसैन, जबकि चौथे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा हैं। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद 5वें नंबर पर हैं और श्रीलंकाई नुवान तुषारा छठे नंबर पर हैं। लिस्ट में आखिरी नंबर यानी 10वें नंबर पर अफगानिस्तान के करिश्माई स्पिनर राशिद खान हैं।

आईसीसी टी20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग की टॉप-10 लिस्ट में कोई भी पाकिस्तानी गेंदबाज नहीं है। सुफियान मुकीम का नंबर 11वां है, जबकि भारत के अक्षर पटेल 12वें नंबर पर हैं। इस बीच भारतीय टीम को एशिया कप के आखिरी लीग मैच में 19 सितंबर को ओमान से भिड़ना है।

एशिया कपः बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हराया

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 में मंगलवार को अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हराकर टूर्नामेंट में खुद को जिंदा रखा है। अफगानिस्तान को जीत के लिए 155 रन का लक्ष्य मिला था। अफगान टीम 20 ओवर में 146 रन पर सिमट गई और 8 रन से मैच हार गई। अफगानिस्तान के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल शून्य और इब्राहिम जादरान 5 रन बनाकर आउट हुए। दोनों की असफलता अफगानिस्तान टीम की हार का कारण बनी। विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 35 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अजमतुल्लाह उमरजई

ने 30 और कप्तान राशिद खान ने 20 रन बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। बांग्लादेश के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। नासुम अहमद, तस्कीन अहमद और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट लिए। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 5 विकेट पर 154 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाजों सैफ हसन और तंजीद हसन ने मजबूत शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 6.4 ओवर में 63 रन जोड़े। सैफ हसन 28 गेंद पर 30 रन बनाकर आउट हुए।

तंजीद हसन ने 31 गेंद पर 3 छक्के और 4 चौके की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान लिटन दास 11 गेंद पर 9, शमीम हुसैन 11 गेंद पर 11 और तौहीद हृदोय 20 गेंद पर 26 रन बनाकर आउट हुए। जाकेर अली और नुरूल हसन ने नाबाद 12-12 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए कप्तान राशिद खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए। नूर अहमद ने भी 4 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट लिए। उमजई ने 1 विकेट लिए।

वर्ल्ड एथलेटिक्स 2025: नीरज चोपड़ा ने फाइनल के लिए किया क्वालिफाई, पहले राउंड में ही फेंक दिया इतने मीटर भाला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार जैवलीन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स 2025 जैवलीन थ्रो इवेंट के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया। नीरज चोपड़ा ने पहले ही राउंड में 84.85 मीटर भाला फेंककर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस इवेंट का फाइनल 18 सितंबर यानी गुरुवार को होगा।

डिफेंडिंग चैंपियन हैं नीरज चोपड़ा

नीरज चोपड़ा को इस इवेंट के फाइनल में पहुंचने के लिए 84.50 मीटर भाला फेंकना था और उन्होंने पहले ही राउंड में इस बाधा को पार करते हुए ये उपलब्धि अपने नाम कर ली। नीरज चोपड़ा मौजूदा समय में भारतीय एथलीट विश्व चैंपियनशिप में जैवलीन थ्रो इवेंट के विजेता हैं और साल 2023 में उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। नीरज चोपड़ा इस

इवेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर हिस्सा ले रहे हैं और वे जान जेलेज़नी (1993, 1995) और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (2019, 2022) के बाद इतिहास में वर्ल्ड जैवलिन टाइटल को लगातार दो बार जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। नीरज ने साल 2023 में 88.17 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता था, जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम 87.82 मीटर थ्रो के साथ दूसरे नंबर पर रहे थे जबकि और याकुब वडलेच (86.67 मीटर थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।

अगर लिवरपूल में पदक नहीं मिलता तो फिर कोशिश नहीं करतीः पूजा रानी

नयी दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने सोच लिया था कि अगर विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में चौथी बार खेलते हुए वह पदक नहीं जीत पाती तो दोबारा कोशिश नहीं करेंगी । लेकिन भिवानी की 34 वर्षीय इस मुक्केबाज को लिवरपूल में 80 किलो वर्ग में पोडियम पर खड़े होने का मौका मिला। तोक्यो ओलंपिक खेल चुकी पूजा ने कहा, इस बार भी मैने खुद से कहा था कि अगर नहीं जीती तो दोबारा नहीं खेलूंगी।

उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा अपना शत प्रतिशत देती हूं लिहाजा हारने पर दिल टूट जाता है । मैने पिछले चार पांच महीने से कडा अभ्यास किया था और मुझे खुशी है कि मेहनत रंग लाई। मैं मार्च में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप से ही अभ्यास कर रही हूं। चार बार एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीत चुकी पूजा सेमीफाइनल में इंग्लैंड की एमिली एस्कीथ से हार गई लेकिन कांस्य पदक जीता। इस पर उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं । यह मेरी चौथी विश्व चैम्पियनशिप थी और मैने पहली बार पदक जीता । यह खास है। कुछ साल पहले कंधे की चोट और एक बड़े टूर्नामेंट से ठीक पहले हाथ जलने के कारण पूजा के कैरियर पर खतरा पैदा हो गया था लेकिन उसने तोक्यो ओलंपिक से पहले वापसी की। पूजा ने 2019 और 2021 एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीते हालांकि तोक्यो में वह 75 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार गई। फिर मई 2022 में पिता के निधन के बाद उन्होंने विश्व चैम्पियनशिप खेली लेकिन ब्रेक ले लिया। फिर 2023 की शुरूआत में उनका विवाह हुआ और एक साल बाद रिंग पर लौटकर उन्होंने राष्ट्रीय खिताब जीता। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक में 75 किलो वर्ग में जगह बना चुकी थी। पूजा ने पिछला एक साल 75 किलो से 80 किलो में जाने पर लगाया। अब उनकी नजरें 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक चक्र पर है। उन्होंने कहा, मैं सोच रही हूं कि अब 70 किलोवर्ग में चली जाऊं।

वनडे में संन्यास से वापसी के बाद ग्लेन मैक्सवेल ने खेली धमाकेदार पारी, सिर्फ इतनी गेंदों में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के वनडे विश्व कप विजेता ग्लेन मैक्सवेल ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारत से हार के बाद फिटनेस समस्याओं के कारण वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। विक्टोरिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के वनडे कप में वापसी करते हुए उन्होंने मार्नस लाबुशेन की क्वींसलैंड टीम के खिलाफ असफल रन चेज में 82 गेंदों में 107 रनों की शानदार पारी खेलकर ब्रिस्बेन के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दिलचस्प बात यह है कि विक्टोरिया के लिए अपने 15 साल के करियर में मैक्सवेल का लिस्ट ए (वन-डे) प्रारूप में यह पहला शतक है। 36 वर्षीय मैक्सवेल 311 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उस समय बल्लेबाजी करने आए जब विक्टोरिया का स्कोर 24 ओवर में 104/5 था। माइकल नेसर ने नई गेंद से खूब धमाल मचाया, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस हैरिस को शून्य पर और हैरी डिक्सन को दहाई के स्कोर पर आउट किया।

पाकिस्तान ने मोहम्मद यूसुफ का करियर किया था तबाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान पर अपनी बदजुबानी से सुर्खियों में आया पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ का विवादों का लंबा इतिहास रहा है। इतिहास के गर्त में जाएंगे तो पता चलेगा कि यूसुफ पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी और शोएब मलिक के साथ मिलकर टीम में गुटबाजी किया करता था। यही वजह है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सफल बल्लेबाज होने के बावजूद मोहम्मद यूसुफ का करियर बर्बाद करने से पीछे नहीं हटा। यूसुफ का करियर 35 साल की उम्र में ही खत्म हो गया था।

2010 ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद पाकिस्तान ने यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ, शोएब मलिक, शाहिद अफरीदी को दी थी सजाः दरअसल, 2010 में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी। इस दौरे पर यहां से शर्मसार होना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंदा था। पाकिस्तान

डर्टी गेम में शाहिद अफरीदी-शोएब मलिक थे क्राइम पार्टनर

के लिए कप्तानी कर रहे मोहम्मद यूसुफ सहित सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन शर्मनाक था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड हरकत में आ गया था।

उसने कोचिंग स्टाफ और टीम मैनेजर से इनपुट लेने के बाद यूसुफ पर लाइफ टाइम का बैन लगाया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व कप्तानों यूनिस खान और मोहम्मद यूसुफ पर देश के लिए खेलने पर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था, जबकि शोएब मलिक, राणा नावेद-उल-हसन पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जांच के बाद लिया था फैसलाः ऑस्ट्रेलिया में मिली हार के बाद जांच समिति की सिफारिशों के अनुसार, अकमल बंधुओं (कामरान और उमर) और शाहिद अफरीदी पर दौरे में अनुशासनहीनता के लिए 20-30 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के अलावा 6 महीने के लिए प्रोबेशन पर डाल दिया गया था।

इससे दो सबसे अनुभवी बल्लेबाजों यूनिस (32) और यूसुफ (35) के अंतरराष्ट्रीय करियर का करियर लगभग खत्म ही हो गया था। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान टीम को वनडे में 5-0, टेस्ट में 3-0 और इकलौता टी20 इंटरनेशनल मैच अपने नाम किया था। इस पूरे दौरे पर टेस्ट कप्तान यूसुफ, शाहिद अफरीदी और शोएब मलिक का टीम में व्यवहार सुर्खियों में रहा था।

पाकिस्तान ने एशिया कप के बहिष्कार की धमकी वापिस ली, पाइक्रॉफ्ट मामले में आईसीसी से फिर लगाई गुहार

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान ने एशिया कप के बहिष्कार की धमकी वापिस ले ली है लेकिन मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को लेकर उसका ऐतराज बरकरार है और पीसीबी ने टीम के बाकी मैचों में जिम्बाब्वे के इस मैच रैफरी की जगह रिची रिचर्डसन को जिम्मेदारी देने की मांग की है। समझा जाता है कि मंगलवार की देर शाम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को एक और ईमेल लिखकर पाइक्रॉफ्ट को उसके सारे मैचों से हटाने की मांग की है जिसे अभी तक आईसीसी ने माना नहीं है। पाइक्रॉफ्ट को पाकिस्तान और यूएई के बीच आज शाम को होने वाले मैच में भी रैफरिंग करनी है। विवाद की शुरूआत तब हुई जब कप्तान सूर्यकुमार यादव समेत भारतीय टीम ने रविवार को मैच के

बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया। इसके बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा मैच के बाद पुरस्कार समारोह में नहीं आए। पीसीबी ने इस विवाद के लिए पाइक्रॉफ्ट को दोषी ठहराते हुए कहा कि उन्होंने सलमान से कहा कि सूर्यकुमार से हाथ नहीं मिलाए और दोनों कप्तानों को टीम शीट का आदान प्रदान भी नहीं करने दिया।